दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 162 | ग्वालियर,21 फरवरी बुधवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

यूपी में गठबंधन बचाने की आखिरी कोशिश अखिलेश यादव ने कांग्रेस को ऑफर की 17 सीटें

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन बचाने की आखिरी कोशिश में लगी हुई है. इस बीच खबर है कि सपा ने कांग्रेस को 17 सीटें ऑफर की हैं.समाजवादी पार्टी की ओर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर 17 सीट देने की बात कही गई है.समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि ÷हमने कांग्रेस को 17 सीट ऑफर की है लेकिन अभी तक उनका जवाब नहीं आया है. इससे पहले सपा ने 11 सीट आफर की थी. हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि सपा ने कांग्रेस को कौन सी सीटें ऑफर की हैं. बता दें सपा अब तक 27 सीटों पर प्रत्याशी उतार चुकी है. हालांकि इसमें कुछ

ऐसी सीटें भी हैं जिन पर कांग्रेस भी दावा कर रही है.गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा सोमवार को अमेठी से गुजरेगी जिसके बाद वह रायबरेली में प्रवेश करेगी. सपा प्रमुख ने पहले कहा था कि वह रायबरेली में राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे.कांग्रेस ने कल रात अमेठी में एक बयान जारी कर कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अमेठी में इस यात्रा में उपस्थित रहेंगे. इससे पूर्व, सपा ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 11 सीट की पेशकश की थी, जबकि कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने अधिक सीट की मांग की है.प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पहले कहा था कि उनकी पार्टी को करीब दो दर्जन सीट दी जानी चाहिए जहां 2009 के लोकसभा चुनाव में उसने जीत हासिल की थी. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में साझीदार हैं. कांग्रेस ने पिछली बार उत्तर प्रदेश में एकमात्र रायबरेली की सीट जीती थी. उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीट हैं

मध्य प्रदेश से कांग्रेस उम्मीदवार अशोक सिंह जीते, पूर्व सीएम कमलनाथ ने क्या कहा?

राज्यसभा चुनाव में मध्य प्रदेश से कांग्रेस उम्मीदवार अशोक सिंह ने जीते दर्ज की है. वहीं उनकी जीत पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी बधाई दी है. कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा, मध्य प्रदेश से राज्य सभा सदस्य निर्वाचित होने पर कांग्रेस के संघर्षशील निष्ठावान साथी अशोक सिंह को हार्दिक बधाई.गौरतलब हो कि ऊपरी सदन में हाल ही में 15 राज्यों के 56 सदस्यों का कार्यकाल खत्म होने के बाद ये सीटें खाली हो गई थी. इस दौरान मध्य प्रदेश की भी पांच राज्यसभा सीटें खाली थी. राज्यसभा चुनाव में इस बार मध्य प्रदेश से कांग्रेस ने अशोक सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था.

वह इससे पहले तीन बार ग्वालियर सीट से लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं. अशोक सिंह को राज्यसभा की टिकट दिए जाने के बाद सियासी गलियारों में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थी. अशोक सिंह को मध्य प्रदेश से निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुना गया.

कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह ने कमलनाथ-नकुलनाथ को लेकर दिया बड़ा अपडेट,

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बीच जीतेंद्र सिंह का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने दावा किया है कि कमलनाथ और नकुलनाथ दोनों ही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भाग लेंगे. इसको लेकर उन्होंने एक दूसरे से चर्चा भी की है. कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह ने कहा, कमलनाथ हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं. ये सभी अटकलें बीजेपी और मीडिया ने लगाई हैं. मेरी उनसे कल भी बात हुई, परसों भी बात हुई और हमने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर चर्चा की. उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ भारत जोड़ो यात्रा के मध्य प्रदेश आने पर उसमें भाग लेंगे. उनके साथ नकुलनाथ भी शामिल होंगे.

पंप पर बिक रहा था 15 रुपये सस्ता डीजल, खाद्य विभाग की छापेमारी के बाद हुआ हैरान करने वाला खुलासा

मध्य प्रदेश में नकली डीजल का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है. इंदौर में भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं. इसी तरह के एक मामले में इंदौर में नकली डीजल बेचने की खबर सामने आई है. इस मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है. दरअसल, इंदौर जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि इंदौर में नकली डीजल सप्लाई किया जा रहा है, इस पर खाद्य विभाग और क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की है. बताया जा रहा है कि इंदौर के तीन इमली चौराहे के पेट्रोल पंप पर छापा मार कर नकली डीजल बरामद किया गया है. अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में यहां से नकली डीजल बेचे जाने का खुलासा किया है. क्राइम ब्रांच के सब इंस्पेक्टर यतींद्र मिश्र ने बताया, ÷साल 2013 में किसान पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया था, लेकिन उसके बाद भी अवैध रूप से पेट्रोल पंप संचालक यहां से डीजल सप्लाई कर रहा था. जब छापा मारा गया तो पंप पर 15000 लीटर डीजल स्टॉक में पाया गया है.÷ उन्होंने बताया कि इस पेट्रोल पंप पर काफी लंबे समय से नकली डीजल बेचा जा

रहा था.

10 से 15 रुपये सस्ता बिक रहा था डीजल-जानकारी सामने आई है कि इस नकली डीजल को केमिकल के जरिए बनाया जाता था, केमिकल मिलाने के बाद यह असली डीजल जैसा नजर आता था. इस मामले में विभाग ने आगे की कार्रवाई करते हुए बताया कि पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कराया है. वहीं पीथमपुर से इस टैंकर की सप्लाई होती थी, यानी नकली डीजल पीथमपुर में बनाया जाता था और वहां से टैंकर के जरिए इंदौर लाया जाता था. फिलहाल इस पंप पर 15 रुपये प्रति लीटर सस्ता डीजल बेचा किया जा रहा था.यतींद्र मिश्र ने बताया कि यह पंप काफी समय से बंद पड़ा था, जहां पर 10 से 15 रुपये सस्ता डीजल बिक रहा था. इतना सस्ता डीजल बिकने पर लोगों को शक हुआ और इसकी शिकायत खाद्य विभाग से की गई. इस मामले में बताया जा रहा है कि यहां से लग्जरी बस संचालक अपनी बसों में डीजल भरवाते हैं. यह वह बसे हैं जो इंदौर से लंबे रूट पर चलती हैं और जिनमें हजारों रुपये का रोजाना डीजल डाला जाता है.

पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाइ-पुलिस के मुताबिक, यह पहली बार नहीं है कि इस पंप को सील किया गया है, इससे पहले भी इस पंप के खिलाफ कई बार कार्रवाई की जा चुकी है. हालांकि यहां से नकली डीजल बनने का सिलसिला नहीं थम रहा है. लोगों की शिकायत के बाद इस पेट्रोल पंप के खिलाफ कार्रवाई की गई है. नकली डीजल बेचने वाले पेट्रोल पंप संचालक पर कार्रवाई को लेकर इंदौर कलेक्टर ने कहा कि पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे यह दूसरे लोगों के लिए नजीर बन सके.

हर्ष फायर में चली गई चार साल के मासूम की जान, पिता भी घायल, आरोपी और पीड़ित दोनों दूल्हे के रिश्तेदार

दतिया जिले में शादी समारोह में हर्ष फायर में एक चार साल के बच्चे की जान चली गई. गोराघाट थाना क्षेत्र के सुनारी गांव में एक बराती ने दुनाली बंदूक से हर्ष फायर किया था. एक गोली डांस कर रहे चार साल के बच्चे पीयूष के सीने को चीरते हुए निकल गई और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं, दूसरी गोली बच्चे के पिता पवन बघेल के घुटने में लगी. घायल पवन बघेल को ग्वालियर में अस्पताल में भर्ती किया गया है. घटना रविवार (18 फरवरी) की बताई जा रही है.

पुलिस ने हर्ष फायर करने वाले बाराती श्याम बघेल पर हत्या और हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गोराघाट थाना क्षेत्र के सुनारी गांव में रविवार को रणबीर सिंह बघेल की बेटी की शादी थी. उनके यहां ग्वालियर के केदारपुर कोठी गांव से बरात आई थी. रात करीब नौ बजे बारात दुल्हन के घर के सामने पहुंची और यहां तिलकोत्सव की तैयारी चल रही थी. इस दौरान बाराती डांस कर रहे थे. इसी बीच श्याम बघेल ने हर्ष फायर कर दिया.

वरमाला के दौरान चलाई गोली-एक गोली डांस कर रहे चार साल के बच्चे पीयूष बघेल के सीने को चीरते हुए निकल गई. उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दूसरी गोली बच्चे के पिता पवन बघेल के घुटने में लगी. पुलिस के अनुसार, आरोपी श्याम और घायल पवन बघेल दूल्हे के नजदीकी रिश्तेदार हैं. उधर, शिवपुरी के छतरी रोड पर रविवार रात विवाह समारोह के दौरान हर्ष फायर से दूल्हे के फूफा के सीने में गोली लग गई. पुलिस के मुताबिक, मान सिंह कुशवाह के भतीजे की शादी थी.

तांत्रिक ने एक परिवार की तीन महिलाओं से किया रेप, जमीन में गड़ा धन निकालने का दिया था लालच

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में एक तांत्रिक ने जमीन से गड़ा धन निकालने का लालच देकर एक परिवार की तीन महिलाओं से रेप किया. आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आलोट नगर के एक परिवार के सदस्य की तांत्रिक से मुलाकात हुई. इस तांत्रिक ने उसे जमीन में गड़ा धन निकालने का लालच दिया. तांत्रिक के जाल में वह व्यक्ति फंस गया और तांत्रिक को अपने घर ले गया.

घर में किसी पुरुष के न रहने की शर्त रखी-इस तांत्रिक ने घर के लोगों के गले में ताबीज बांधने को दिया. जमीन से गड़ा धन निकालने के लिए ताबीज बांधने के बाद घर में किसी पुरुष के न रहने की शर्त रखी.पुलिस को दिए गए पीड़ित पक्ष के बयान के अनुसार, तांत्रिक ने परिवार के दो सदस्यों पिता और पुत्र के मेहंदीपुर जाने के बाद महिला और उसकी पुत्री और रिश्ते की बहन को बारी-बारी से पानी के साथ नशीली वस्तु दी, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया. राजस्थान का निवासी तांत्रिक बलवीर सिंह अब पुलिस की गिरफ्त में है. पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.

साइकिल से 2500 किलोमीटर की यात्रा पर निकलीं सिंगल मदर सीमा अग्रवाल, देंगी ये खास मैसेज

मंजिल उन्हें मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, सिर्फ पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. किसी शायर की यह लाइनें बहुत लोगों ने पढ़ी और सुनी होगी, लेकिन जबलपुर की रहने वाली 49 वर्षीय सिंगल मदर सीमा अग्रवाल ने इन्हें बखूबी प्रमाणित किया है. उन्होंने कई मौकों पर साबित किया है कि हौसलों के दम पर कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, इस मामले बीजेपी ने घेरा, पुलिस जांच जारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में एक युवक कुछ नाबालिग बच्चों को रस्सी से बांध कर पिटाई कर रहा है. वीडियो शेयर करने के मामले में जीतू पटवारी मुश्किलों में प?ते दिख रहे हैं. पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की तरफ से इस वायरल वीडियो को एक्स पर पोस्ट करने के बाद मध्य प्रदेश के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया. वायरल वीडियो जबलपुर का बताया गया तो जिला और पुलिस प्रशासन ने आनन-फानन में जांच करके अपना स्पष्टीकरण जारी किया है. एसपी आदित्य प्रताप सिंह का कहना है कि वायरल वीडियो का जबलपुर से कोई संबंध है.दरअसल, भीम आर्मी की महाराष्ट्र की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नेहा शिंदे ने एक्स पर एक वीडियो को पोस्ट करके बताया कि जबलपुर में मासूम बच्चों की कुएं से पानी भरने की बात पर बेरहम पिटाई की गई. सोशल मीडिया पर यह वीडियो तीन-चार दिनों से वायरल हो रहा था. इसी बीच वायरल वीडियो को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पहले रीट्वीट किया और बाद में हटा लिया. पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की तरफ से एक्स पर वीडियो पोस्ट करने के बाद हड़कंप मच गया. एक के बाद एक बीजेपी के कई नेता पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की घेराबंदी करने में जुट गए.

बीजेपी नेताओं ने जीतू पटवारी को घेरा-प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल से लेकर नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट कर जीतू पटवारी पर गुमराह करने का आरोप लगा दिया. जबलपुर कैंट सीट से बीजेपी विधायक अशोक रोहाणी का कहना है कि जीतू पटवारी पहले भी इस तरह की झूठी खबरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुके हैं. यह उनकी आदत बन चुकी है. इसी बीच जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने कहा है कि बच्चों की पिटाई वाले कथित वीडियो का जबलपुर जिले से कोई सबन्ध नहीं है. उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की तरफ से एक्स पर पोस्ट किया गया बच्चों की पिटाई वाला कथित वीडियो जबलपुर जिले का नहीं है. पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने कहा कि कथित वीडियो की जांच की गई है. यह जबलपुर जिले का नहीं है.जबलपुर के एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा का कहना है कि कथित पिटाई का वीडियो वायरल करने के मामले में इसे पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई हो सकती है. जबलपुर पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करने वालों की कुंडली खंगाल रही है

उज्जैन मेले में वाहनों की खरीद पर मिलेगी भारी छूट, एमपी कैबिनेट ने लिया बड़ा फैसला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित मध्य प्रदेश कैबिनेट बैठक ने एक अहम फैसला लिया है. इसके तहत अगले महीने से उज्जैन में शुरू हो रहे मेले में ग्वालियर मेले की तरह वाहन खरीद पर रजिस्ट्रेशन फीस और रोड टैक्स में छूट दी जाएगी. संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट बैठक में हुए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन में कार्तिक मेला काफी समय से लगता आ रहा है. अगले महीने से लगने वाले इस व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल पर छूट देने का फैसला लिया गया है.मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ की तैयारियां चल रहीं हैं. इसको लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दो बैठकें की हैं. उन्होंने बताया कि इंदौर-उज्जैन रोड को सिक्स लेन करने का फैसला लिया है. इंदौर उज्जैन के बीच हातोद से पैरेलल रोड बनाने का निर्णय लिया गया है. कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि 1700 करोड़ रुपये की लागत से यह सड़क पीपीपी मॉडल पर बनाई जाएगी.

आचार्य विद्यासागर महाराज को श्रद्धांजलि-मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक आयोजित की जा रही है. बैठक की शुरुआत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को विनयांजलि देने के साथ की गई. इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार (18 फरवरी) को आचार्य श्री विद्यासागर जी के संलेखना समाधि का उल्लेख करते हुए कहा कि मंत्रिमंडल आचार्य श्री के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शोक व्यक्त करता है. सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि आचार्य श्री के अवसान पर मध्य प्रदेश में आधे दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया.

राष्ट्र कल्याण के लिए था आचार्य श्री का चिंतन-आचार्य श्री के अंतिम संस्कार के लिए राज्य शासन के प्रतिनिधि मंत्री चेतन्य कश्यप अंतिम संस्कार में शामिल हुए. मंत्री परिषद के सदस्यों ने 2 मिनट का मौन धारण कर आचार्य श्री के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आचार्य श्री का चिंतन राष्ट्र कल्याण के लिए था. वह ऐसी विभूति थे जिन्होंने अनेक आदर्श स्थापित किए.

दतिया जन सुनवाई में कमलेश भार्गव ने सुनीं आम नागरिकों की समस्याएं

दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

दतिया, राज्य शासन की मंशा के अनुरूप प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कार्यक्रम आज न्यू कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश भार्गव की उपस्थिति में प्रातः 11:00 बजे से शुरू हुई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश भार्गव ने आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया। उन्होंने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण के निर्देश भी दिए

भागवत कथा में सुनाया गोवर्धन पूजा का प्रसंग

गोवर्धन लीला से इंद्र और जगत को श्रीकृष्ण के स्वरूप का और सामर्थ्य का हुआ ज्ञान-रमाकांत जी महाराज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

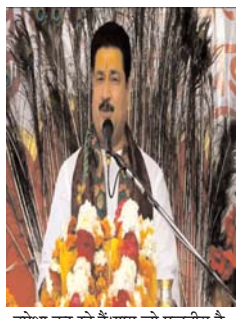

दबोह-गोवर्धन लीला ज्ञान भक्ति बढ़ाने वाली लीला है।यह वाक्य कथावाचक परम् पूज्य पंडित रमाकांत जी महाराज ने दबोह क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सिद्ध धार्मिक स्थल मां रणकौशला देवी मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कही।आगे उन्होंने कहा कि गोवर्धन लीला से इंद्र को और जगत को श्रीकृष्ण के स्वरूप का और सामर्थ्य का ज्ञान हुआ।गोवर्धन पूजा प्रकृति की पूजा है।शरीर पांच महाभूतों से बना है और इन्हीं के कारण टिका हुआ है।यह उत्स (स्त्रोत) है और इस उत्स से नाता तोड़ा तो अस्तित्व नहीं टिकेगा।भ्रष्टाचार करने वाले लोग देश,समाज और धर्म की इमारत को खोखला बनाते हैं।गायों के बारे में उन्होंने कहा कि हमारे यहां गायों की पूजा होती है लेकिन आज हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं।गाय जो पूजनीय है, आज दयनीय हो गई है।इस पर विचार करें।उसकी इस दशा के कारण हम ही हैं।गाय अपना भी पोषण करेगी और हमारा भी।लेकिन अपना पोषण तभी होगा,जब हम उसका शोषण रोकेंगे।बुद्ध ने भी कहा है,तुम खुद का दीया बनो।वह तेरे भीतर है,उसे प्रगट कर। कितने लोग अपने भीतर ईश्वरीय गुण को प्रकट करते हैं।जीव का मतलब ही है शिव की संभावना।भगवान तो तुम में भी हैं,उनको प्रकट करने का अवसर तुम गंवा रहे।आगे उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर धर्म और सत्य की पुनः-स्थापना के लिए द्वापर युग में अवतार लिया।उन्होंने बाल्य अवस्था में ही कालीय नाग का मर्दन करके यमुना जी को पवित्र किया,पूतना एवं बकासुर आदि मायावी शक्तियों का अंत किया।बृज भूमि में आतंक के पर्यायी कंस मामा का वध करके अपने माता-पिता देवकी-वसुदेव और नाना महाराज उग्रसेन को कारागार से मुक्त कराया।गोवर्धन पूजा में प्रकृति की पूजा का उल्लेख किया गया।कथा का संगीतमयी वर्णन सुन श्रद्धालुगण झूमने लगे।इस दौरान कथा में लहार भाजपा विधायक के अनुज अखिलेश शर्मा(बंटू)श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने कथास्थल पर पहुंचे और उन्होंने महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।आपको बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 जनवरी 2024 को माँ जगतजननी रणकौशला देवी के जन्मोत्सव के चलते श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन मन्दिर परिसर में किया जा रहा है।जिसमे कथा का रसपान कथाव्यास परम् पूज्य पंडित रमाकांत जी महाराज के द्वारा श्रोताओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है।वहीं इस बार पारीक्षत बनने का सौभाग्य तहसीलदार अमित दुबे के माता पिता राधामोहन दुबे-श्रीमती रेखा दुबे को प्राप्त हुआ है।चरण सेवक के रूप में अमित दुबे(तहसीलदार)व उनकी पत्नी दिव्या दुबे(उप पुलिस अधीक्षक)को अवसर मिला है।

जनसुनवाई में आवेदकों की सुनी समस्याएं 73 आवेदकों ने प्रस्तुत किए विभिन्न समस्याओं के आवेदन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में आज 20 फरवरी मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें अपर कलेक्टर जेएस बघेल, सयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सालंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मण्डलोई सहित अन्य अधिकारियों ने जिले के विभिन्न स्थानों से आए शिकायतकर्ता आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। आज की जनसुनवाई में जिले के अलग-अलग स्थान से आए 73 आवेदकों ने समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में भगवानपुरा तहसील के ग्राम जुला बिलवा की दिव्यांग साया पिता भीमसिंग ससत्या पाव से 40 प्रतिशत विकलांग है। उन्होंने आवदेन देते हुए बताया कि दिव्यांग पति व बच्चों की जिम्मेदारी के चलते शासन की योजना अनुसार जीवन यापन करने के लिए आटा चक्की मिल जाए तो परिवार का पालन आसानी से हो जाएगा। अतः दिव्यांग व आर्थिक स्थिति को देखते हुए शासन की ओर से आटा चक्की उपलब्ध करायी जाए। जनसुवाई में भगवानपुरा तहसील के ग्राम नागरखेड़ी की सपना यशवंत चंदेल संबल योजना के तहत राशि न मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। सपना का कहना है कि मेरे पति यशंवत चंदेल की 17 फरवरी 2022 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने आवेदन में कहा कि 17 जुलाई को 2023 को स्वीकृति दे दी गई थी लेकिन संबल योजना के तहत पंचायत से अब तक राशि प्राप्त नहीं हो पाई। अतः संबल योजना के तहत शीघ्र राशि उपलब्ध करायी जाए।

मेला देखने आए मासूम की ट्रैक्टर की चपेट में आकर मौत

मिजार्पुर (शाहजहांपुर)। दादी और ताऊ के साथ ढाईघाट मेला देखने आए ढाई साल के मासूम की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर मौत हो गई। कस्बे के मुख्य चौराहे पर रहने। वाले अंकुश गुप्ता की वहीं पर मिठाई की दुकान भी है। उनका ढाई साल का इकलौते बेटा रमन उर्फ लड्डू ताऊ रविनेश गुप्ता और दादी माँ के साथ रविवार को ढाईघाट मेला देखने आया था। घाट पर परिवार के लोगों ने भंडारे का आयोजन यन किया था, जिसमें प्रसाद ग्रहण करने के बाद रमन को बाइक पर बैठाकर रविनेश मेला घुमाने लगे। पुल के पास गेंद की दुकान देखकर रमन ने उसे लेने की जिद की। इस पर रविनेश नै पुल के पास बाइक रोककर खड़ी कर ली और रमन को बाइक पर ही बैठाकर खुद गेंद खरीदने चले गए। इस बीच वहां से गुजरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में बाइक का हैंडल फंस गया। रमन के सड़क पर गिरने पर ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर से निकल गया।

विश्वकर्मा समाज की बैठक हुई आयोजित, धूमधाम से मनाई जाएगी विश्वकर्मा जयंती

सिरोंज
अभिषेक कुशवाह

मंगलवार की दोपहर को विश्वकर्मा समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें जिसमें धूमधाम से विश्वकर्मा प्रकटोत्सव मनाने संबंधी विषय पर चर्चा हुई ज्ञात हो की माघ शुक्ल त्रयोदशी भगवान विश्वकर्मा प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया जाना है जिसमें प्रातः सात वजे से 10 बजे तक तक हबन पूजन कार्यक्रम भगवान विश्वकर्मा जी मंदिर जटाशंकर धाम पर चलेगा तत्पश्चात सुबह 10 वजे पंडित चंद्रमोहन सभागार में सभी समाज बंधुओं का एकत्रीकरण होगा तत्पश्चात पंडित चन्द्रमोहन सभागार से भव्य चल समारोह प्रारंभ होगा जो मुख्य मार्गों से होते हुए छत्री नाका कष्टम पथ सर्राफा बाजार कपड़ा बाजार कोर्ट गेट तहसील रोड होते हुए भगवान विश्वकर्मा मंदिर जटाशंकर धाम पर पर पहुंचने के पश्चात दोपहर चार वजे भगवान विश्वकर्मा जी मंदिर पर चल समारोह का समापन एवं महाप्रसादी वितरण की जाएगी इस दौरान बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज जन उपस्थित रहे ।

जिला खरगोन एक बार पुनः सीएम हेल्प लाइन 181 की शिकायतों के निराकरण प्रदेश में पहलपायदान पर कायम

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन जिला सम्पूर्ण प्रदेश में 90.34 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर कायम

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह द्वारा प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मुलाकात कर शिकायतों को निराकरण किया ।

प्रथम स्थान अर्जित करने पर पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना प्रभारी एवं शिकायत शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय खरगोन की प्रशंसा की माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री मोहन यादव जी के द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही बहुआयामी योजना सीएम हेल्प लाइन 181 के तहत समस्त सरकारी विभागों में आमजन को समय पर सहायता न मिलने की स्थितियों में आमजन सीधे सीएम हेल्प लाइन नंबर 181 पर शिकायत कर अपनी समस्या बता सकता है । उक्त शिकायतकर्ता के द्वारा की गई शिकायत को संबंधित विभाग को ट्रांसफर कर उसके जल्द से जल्द निकाल हेतु वरिष्ठ कार्यलयों द्वारा सुपरविजन किया जाता है । इसी प्रकार पुलिस से संबंधित शिकायतों का पूरा लेखा जोखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी रखा जाता है, जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय श्री धर्मवीर सिंह जी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरुणेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहर सिंह बारिया जी द्वारा प्रत्येक शिकायत का बारीकी से अवलोकन किया गया साथ ही प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत मिलकर उनकी बताई समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप खरगोन जिला एक बार पुनः सीएम हेल्प लाइन के निराकरण में पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व के कारण प्रदेश में शिकायतकर्ता की सीएम हेल्प लाइन शिकायतों का निराकरण कर संतुष्टि पूर्वक बन्द कराने में प्रदेश मे प्रथम स्थान पर कायम है । उक्त उपलब्धि प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना प्रभारी एवं शिकायत शाखा पुलिस अधीक्षक कार्यालय खरगोन के आर. राधेश्याम के उत्साहवर्धन हेतु उनकी प्रशंसा की ।

25 फरवरी को होगी शबे बारात की इबादत की बड़ी रात के पूर्व ड़ब्रस्तानों को दुरस्त किया जाए - जिला सदर रियाजुद्दीन शेख

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जमीअत उलमा के प्रदेश उपाध्यक्ष एव मुस्लिम समाज के जिला सदर रियाजुद्दीन शेख साहब ने कलेक्टर साहब एव सीएमओ से मिलकर ड़ब्रस्तानों की सुरक्षा एव आगमी इबादत का त्योहार शबे बारात को देखते हुए जिले सहित शहर के सभी मड़बरों एवं ड़ब्रस्तानों मस्जिदों के आसपास साफ सफाई, विशेष प्रकाश व्यवस्था पानी आदि इंतेजाम को शबे बारात से पूर्व किए जाने की मांग की है और शबे बारात से सात दिवस पूर्व ड़ब्रस्तानों की व्यवस्था दुरस्त करने को लेकर ध्यान आकर्षित कराया है जिससे कि आगमी त्यौहार के मौके पर किसी डिस्म की दुश्वारियों का सामना न करना पड़े इस्लामिक कैलेंडर 1445 हिजरी महा शाबान का पवित्र महा चल रहा है एवं देश भर में मुस्लिम समाज इस महा में शबे बारात के मौके पर विशेष इबादतें करता और पूरी रात दुआओ इबादतों का सील सिला जारी रहता है इसी पवित्र इबादत की रात में मुस्लिम समाज अपने मरहुम जो इस दुनियां को अलविदा कह चुके है उनके लिए बड़ी तादाद में ड़ब्रस्तानों में दुआए मगफिरत करने पहुँचते है रियाजुद्दीन शेख ने कहा कब्रस्तानों में इंतेड़ाम के नाम पर कुछ नही और इस बदहाली की और मध्यप्रदेश वड्ड़ बोर्ड ड़ब्रस्तानों की सुरक्षा समितियों का कोई ध्यान नही कही रास्ते बदहाल रात्रि में अंधेरों का राज कही अतिक्रमण कही नाजाइड़ कब्ड़े ड़ब्रस्तानों की बाउंड्री टूटी फूटी सुरक्षा के दरवाड़े गायब यहां तक कि ड़ब्रस्तानों के नाम चिन्ह बोर्ड तक कब्रस्तानों से गायब है जिसकी और जमीअत उलमा मध्यप्रदेश लगातार वड्ड़ बोर्ड ड़ब्रस्तानों की सुरक्षा समितियों का ध्यान आकर्षित कराती आई है। खरगोन जिला मुस्लिम कमेटी शबे बारात से पूर्व सभी कब्रस्तानों मे साफसफाई सुरक्षा अतिक्रमण मुक्त कर लाइट पानी के स्थाई इंतेड़ाम किए जाने की मांग की है

शास उच्च माध्य विद्यालय अमलीपदर का स्वर्ण जयंती समारोह

त्रिलोकी तिवारी जिला गरियाबंद ब्योरो चीफ पुष्पांजलि

प्राचार्य श्री वरुण चक्रधारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलीपदर ने हमारे संवाददाता को बताया कि विद्यालय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन 26 फरवरी को हॉस्टल प्रांगण में आयोजित की जा रही हैसंस्था हाई स्कूल की स्थापना 5 नवंबर 1971को हुई थी सन 2021 मे 50 वर्ष पूर्ण होता है कोरोना काल के कारण यह समारोह की तिथि आगे बढ़ते गई है इस 50 वर्ष की यात्रा मे लाखों छात्रों को कुशल नागरिक बनाने में विभिन्न प्रकार के उतार चढ़ाव का सामना किया है उन सभी पूर्व छात्रों को पुनः एक मंच प्रदान करने के साथ ही व्यक्तित्व, समाज व देश निर्माण में प्रेरणादाई कार्य को मूर्त रूप प्रदान करना है विद्यार्थी जीवन के अमूल्य क्षण को पुनःएक बार सहपाठी के साथ रूबरू होकर पुरानी यादों को ताज़ा करने का अवसर प्रदान करना है, तनाव मुक्त जीवन के उस पल का पुनः अहसास आवश्यक हैसभी पूर्व छात्रों को सादर आमन्त्रित किया गया है आज के छात्रों को सोचने को मजबूर कर देगा कि उस समय किन परिस्थितियों में रह कर आज किस मुकाम पर पहुंच गएरंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ स्वर्ण जयंती समारोह प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक खुशियों की बौछार स्मृति पटल विशेष छाप छोड़ने में कामयाब होगा

छात्राओं ने भिंड नगर पालिका मुख्य अधिकारी का लिया प्रेरक साक्षात्कार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मंगलवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की छात्राएं संध्या ओझा और खुशी बघेल ने मुख्य अधिकारी नगर पालिका वीरेंद्र तिवारी का हस्तलिखित पत्रिका के तहत प्रेरक साक्षात्कार लिया।छात्राओं ने सीएमओ से प्रश्न पूछें उनमें प्रमुख थे की अच्छे नगर पालिका अधिकारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण गुण क्या है एवं भिण्ड शहर को निर्मल एवं स्वच्छ बनाने के लिए वर्तमान समय में शासन की ओर से क्या- क्या योजनाए चलाई जा रही है एवं भिण्ड मेले के आयोजन को और भव्य बनाने के लिए नगरवासियों और नगर पालिका को क्या- क्या प्रयास करने चाहिए। इन प्रश्न के उत्तर में सी. एम.ओ ने सभी प्रश्नों के क्रमशः उत्तर दिए उन्होंने कहा की कुशल प्रशासक अधिकारी के लिए चाहिए की पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा भाव से अपना कार्य करना चाहिए एवं भ्रष्टाचार को रोकना चाहिए,उन्होंने कहा की शासन की ओर से प्रत्येक शहर को स्वच्छ बनाने के लिए भारत स्वच्छता अभियान मिशन चल रहा है,इसी क्रम में उन्होंने कहा कि भिंड मेले को भव्य बनाने के लिए हम प्रयास करते हैं की सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलों को उसमें अधिक महत्व दिया जाये।प्रेरक साक्षात्कार में सहयोगकर्ता विद्यालय की प्राचार्य स्नेहलता भदौरिया,शिक्षक सौरभ पाल, शिक्षिका मीनू सोनी अंजना मिश्रा, शिक्षक अमित शर्मा छात्राएं खुशी शाक्य,संध्या ओझा एवं खुशी बघेल आदि।

हस्तशिल्पियों को वितरित किया गया शिल्प कार्ड।

जमालपुर/मीरजापुर। विकासखंड जमालपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भुइली खास में क्षेत्र के सैकड़ों शिल्पकारों को शिल्प कार्ड वितरित किया गया। केंद्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही शिल्पकारों के लिए लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया आज के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसीएफ के अध्यक्ष विजय वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में चुनार मंडल के अध्यक्ष चंद्रहास गुप्ता, कार्यक्रम की अध्यक्षता बैजनाथ प्रजापति, तथा संचालन दुलारे प्रजापति ने किया। इस अवसर पर बच्चा, ब्रह्मानंद प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, प्रमोद कुमार प्रजापति, रामबाबू प्रजापति, राम जी प्रजापति, लल्लन प्रजापति साहित्य सैकड़ो लाभार्थी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने की कैंसर शिविर से लाभ उठाने की अपील

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

।कैंसर रोग की जांच तथा उपचार के लिए 24 एवं 25 फरवरी को कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में शिविर लगाया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन इंदौर के कैंसर फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा है कि इन शिविरों में मुख्य रूप से स्तन कैंसर तथा मुख कैंसर की जांच एवं उपचार निःशुल्क किया जायेगा। इंदौर के कैंसर फाउंडेशन के डॉ. दिगपाल धारकर एवं उनके सहयोगी डॉक्टरों की टीम रोगियों की जांच करेगी। रोगियों के चिन्हांकन के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। यदि किसी में भी कैंसर के लक्षण दिखायी दे रहे हैं तो वह बिना किसी भय के इन शिविरों में अपनी जांच अवश्य करायें। समय पर कैंसर की पहचान हो जाने पर इसका पूरी तरह से इलाज संभव है। कैंसर की पहचान में देरी होने पर इसका पूरी तरह से उपचार होना कठिन होता है। इस लिए यदि किसी को मुख कैंसर अथवा स्तन कैंसर की आशंका है तो वह इन शिविरों में अपनी जांच अवश्य करायें।

बिना अतिरिक्त राशि दिए मिलेगी गैस सिलेण्डर की होम डिलेवरी

होम डिलेवरी के लिए अतिरिक्त राशि का आदेश निरस्त

रीवा(पुष्पांजली टुडे

।घरेलू एलपीजी गैस का उपयोग करने वालों को निर्धारित राशि पर गैस सिलेण्डर रिफिल कराने की सुविधा है। गैस वितरण करने वाली कंपनी के वितरक उपभोक्ता को बिना किसी अतिरिक्त राशि के गैस सिलेण्डर की होम डिलेवरी करते हैं। जिले में गैस सिलेण्डर की होम डिलेवरी की अतिरिक्त राशि के संबंध में वर्ष 2020 एवं 2021 में जिला स्तर से आदेश जारी किए गए थे। इन दोनों आदेशों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि एलपीजी

गैस सिलेण्डर की रिफिल के लिए निर्धारित राशि पर ही वितरण एजेंसी होम डिलेवरी करे। उपभोक्ता को इसके लिए कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी है। वितरण एजेंसी अधिक दूरी होने पर भी वितरक को बिना अतिरिक्त चार्ज के भरे हुए सिलेण्डर घर तक पहुंचाएं। सभी गैस वितरक आदेश का पालन सुनिश्चित करें। अतिरिक्त राशि लेने के संबंध में यदि किसी तरह की शिकायत प्राप्त होती है तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र प्रभारी को दिया नोटिस

रीवा(पुष्पांजली टुडे)

।जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया गया। डभौरा वेयर हाउस में बनाए गए खरीदी केन्द्र में लक्ष्मी स्वसहायता समूह जोन्हा द्वारा धान की खरीद की गई। धान की खरीदी में अनियमितता बरतने पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्वसहायता समूह की अध्यक्ष तथा खरीदी प्रभारी को नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस के अनुसार खरीदी केन्द्र में जिला विपणन अधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान खरीदी प्रभारी, सर्वेयर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर अनुपस्थित पाए गए। खरीदी केन्द्र में कोई भी बैनर, नमी मापक यंत्र, छन्ना तथा अन्य आवश्यक उपकरण नहीं पाए गए। इन्हें गंभीर अनियमितता मानते हुए नोटिस दिया गया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर समूह को ब्लैकलिस्ट करने, जमा की गई 10 लाख रुपए सुरक्षा निधि को राजसात करने तथा प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा में वन विकास निगम को हस्तांतरित की गई भूमि पर वृक्षारोपण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराने के दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा वन मंडल में मध्यप्रदेश वन विकास निगम को वर्ष 2010 में हस्तांतरित की गई 9 हड़ार 464 हे. बंजर भूमि पर वृक्षारोपण कार्य की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि हस्तांतरित की गई भूमि पर पौधारोपण का शेष कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाये। उप मुख्यमंत्री ने पौधरोपण की आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्राप्त की।उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हस्तांतरित भूमि में से लगभग 4 हड़ार 500 हेक्टेयर में पौधरोपण का कार्य पूर्ण किया जा चुका हैं। वर्ष 2010 से अब तक लगभग 64 लाख पौधों का रोपण किया गया है। वर्ष 2024 में 367 हे. क्षेत्र में 9 लाख 18 हड़ार पौधों का रोपण किया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव, प्रबंध संचालक राज्य वन विकास निगम विवेक जैन सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और श्री रामचन्द्र मिशन, हार्टफुलनेस इंस्टिट्यूट के संस्थापक श्री कमलेश डी पटेल (दाजी) ने कहा कि जहाँ वन है वहाँ जीवन है। उन्होंने कहा कि स्थिर पौधारोपण के लिए उपयुक्त पौधों का चयन, रोपण की उचित तकनीकी और भू-जल प्रबंधन और संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने संस्था द्वारा प्रयोग में लाई जा रही प्रक्रियाओं से उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया और अनुभव साझा किए। श्री पटेल ने कहा कि उपयुक्त पौधों का चयन आर्थिक रूप से भी उपयोगी है।उल्लेखनीय है कि हार्टफुलनेस संस्था ध्यान और योग से लोगों की लाइफस्टाइल में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। इसकी स्थापना श्रीरामचंद्र मिशन के नाम से वर्ष 1945 में हुई थी। इसका उद्देश्य शांति, खुशी और बेहतर स्वास्थ प्रदान करना है। संस्थान मध्य प्रदेश में बंजर वन भूमि को हरियाली से सुसज्जित करने का कार्य कर रही है। ओंकारेश्वर की पहाड़ी को व्यवस्थित करने, भोपाल में स्पोर्ट्स विलेज बनाने, डबरा की बंजर भूमि को भी विकसित करने का कार्य भी हार्टफुलनेस इन्स्टीट्यूट (श्री रामचन्द्र मिशन) द्वारा किया जाएगा।

वन विभाग, वन समिति और हार्टफुलनेस संस्थान के बीच हुआ एमओयू सतना वन मंडल की 617 हे. भूमि में होगा वन-आच्छादन

सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण ज़रूरी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

.उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण ड़रूरी है। पृथ्वी का असली शृंगार पेड़-पौधे हैं। आज आवश्यकता है कि संपूर्ण मानवजाति वन संरक्षण के कार्यों में आगे आए सहयोग करे। बदलते परिवेश में आगामी जलवायुवीय चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रकृति अनुरूप पौधों का रोपण कर वन संपदा का संवर्धन करना समय की मांग हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल और हार्टफुलनेस संस्थान के संस्थापक पद्म भूषण श्री कमलेश डी पटेल (दाजी) की उपस्थिति में वन भवन में वन विभाग, वन समिति और हार्टफुलनेस संस्थान के बीच सतना वन मंडल की 617 हे. डिग्रेडेड भूमि में वन-आच्छादन के लिए एमओयू हुआ।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हार्टफुलनेस संस्थान द्वारा कई ऐसी पहाड़ियाँ और भूमि जो बंजर हो गयीं थीं उन्हें फिर से हरा भरा करने में विशिष्टता हासिल है। संस्थान द्वारा ऐसे कार्य पूर्व में किए जा चुके हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा इस एमओयू से वन विभाग के अधिकारियों, वन समितियों को भी अनुभव प्राप्त होगा जाओ वनों के उत्कृष्ट प्रबंधन में सहायक होगा। एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वृक्षारोपण योजना अन्तर्गत यह एमओयू किया गया हैं। विपिन कुमार पटेल वनमण्डल अधिकारी ग्राम वन समिति के बीच त्रिपक्षीय समझौता हस्ताक्षरित किया गया। सतना जिले के तीन वन परिक्षेत्र में 9 ग्राम वन समितियों के माध्यम से

निम्नीकृत वन क्षेत्रों की पुर्नस्थापना हेतु संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से सी.एस.आर., सी. ई.आर. वनमण्डल सतना, गजेन्द्र सिंह क्षेत्रीय समन्वयक, रामचन्द्र मिशन हार्टफुलनेस इन्स्टीट्यूट और अध्यक्ष हार्टफुलनेस संस्था द्वारा 13 स्थलों में 617 हे. वन भूमि में वृक्षारोपण का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेसिंग आज

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज 21 फरवरी को शाम 7 बजे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व से वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के आगामी 29 फरवरी के कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गई है। बैठक में जिले के सांसद, विधायक, कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर, आईजी तथा एसपी उपस्थित रहेंगे।

जन सुनवाई में 104 आवेदन पत्रों में हुई सुनवाई

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।.

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में सहायक कलेक्टर वैशाली जैन ने आमजनता के 104 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। सहायक कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण कर उसका प्रतिवेदन ऑनलाइन दर्ज कराएं। आवेदक को भी आवेदन पत्र में की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। जन सुनवाई में राघवेन्द्र केवट निवासी बागबहोर ने समग्र आईडी में पत्नी का नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया। सहायक कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रायपुर कचुंलियान को तत्काल नाम शामिल कराने के निर्देश दिए। राजबहोर केवट निवासी महसांव ने उन्हें किसान सम्मान निधि योजना के लिए पुनः पात्र करने के लिए आवेदन दिया। सहायक कलेक्टर ने एसडीएम गुड़ को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जन सुनवाई में गंगा प्रसाद एवं अन्य निवासी ग्राम गाड़ा 138 ने शासकीय जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम जवा को प्रकरण में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। रामगोपाल सिंह निवासी ग्राम बरा 396 ने खसरे में सुधार के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार बनकुइयाँ को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। रामायण पटेल निवासी ग्राम खजुआ ने खजुआ मंदिर की भूमि पर लगाई गई अवैध फसल की कुर्की के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार रायपुर कचुंलियान को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इन्द्रमणि प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम सलैया हनुमान ने संविदा शाला शिक्षक नियुक्ति के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश का पालन कराने के लिए आवेदन दिया। सहायक कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश का तत्काल पालन कराने के निर्देश दिए। जन सुनवाई में सीमांकन, पेंशन, बीपीएल में नाम जोड़ने सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई।

अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक झोपडी हटाने नगर प्रशासन का छूटा पसीना

नगर अध्यक्ष सहित भारी तादात में पुलिस बल रहा मौजूद

रीवा।गुढ़ नगर परिषद के बार्ड क्रमांक 9 सडक के किनारे एक गरीब परिवार के अशोक जयसवाल द्वारा ने0 हा0 न0 75 में अतिक्रमण किए हुआ था जिसमें बना कच्चा माकान को पूर्व में ही नगर प्रशासन द्वारा तोड कर अतिक्रमण हटा दिया गया था इसके बाद भी अशोक जयसवाल द्वारा पत्नी की एक झोपडी बना कर अपना व अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने लगा लेकिन अब बात फिर से वही शुरू हुई जब सड़क बनाने में वह झोपड़ी बाधा बन रही थी

जिसे हटाने नगर परिषद अध्यक्ष डां. श्रीमती अर्चना सिंह नगर परिषद सी एम ओ विजयबहादुर सिंह, सहित तहसील अमले के अलावा नगर कर्मचारी एवं ठेकेदार की बुल्डोजर उक्त झोपडी को हटाने में असमर्थ साबित हो रहे थे तब जा कर पुलिस बल बुलाया गया जहां भारी भीड इकत्रित हो गई लेकिन अतः नगर परिषद अध्यक्ष अर्चना सिंह की समझाइस के बाद उक्त अतिक्रमण को हटाया गया वो भी मात्र सडक निर्माण तक का अतिक्रमण हटाया गया।

24 फरवरी को मानस भवन ग्वालियर मै होगा पेंशन का राष्ट्रीय सेमीनार-जनक सिंह रावत

मंजीत पटेल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

क्रांति सिंह

शिवपुरी -पुरानी पेंशन का राष्ट्रीय सेमिनार 24 फरवरी को मानस भवन फुलवाग ग्वालियर में होगा फेडरेसन के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जनक सिंह रावत ने प्रेस को दी गई विज्ञप्ति में बताया गया कि ऑल इंडिया एन.पी.एस. एम्पलाइज फेडरेशन एवं राज्य शिक्षक कांग्रेस के संयुक्त तत्वाधान में मानस भवन फूल बाग में पुरानी पेंशन सेमिनार में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल दिल्ली, उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष क्रांति सिंह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विनोद यादव, सुधीर रूपजी राज शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश नायक कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष राजीव पाठक की उपस्थिति में सेमिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें जिले सहित संभाग के सैकड़ो कर्मचारी उपस्थित रहेंगे संगठन सभी कर्मचारियों से अपील करता है अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल एवं मुख्य वक्ता क्रांति सिंह उद्बोधन देंगे संगठन के जनक सिंह रावत, बालू राम रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, वीरेंद्र शिवहरे,वीरेंद्र रावत,विनय सिंह रावत, सुल्तान सिंह आदिवासी, सुरेश सिंह रावत,गिर्राज शुक्ला सहित अन्य कर्मचारियों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में ग्वालियर पहुंचने की अपील की गई है

महिलाओं के अधिकार और कार्यस्थल पर होने वाले यौन शोषण एवं विधिक सेवाओं के प्रति किया जागरूक, विद्यालय में अब तक आंतरिक परिवाद समिति गठित न किए जाने पर जताई नाराजगी

विधिक सेवाओं, महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर होने वाले यौन शोषण एवं विधिक सेवाओं के प्रति किया जागरूक, विद्यालय में अब तक आंतरिक परिवाद समिति गठित न किए जाने पर जताई नाराजगी

फिरोजाबाद । जनआधार कल्याण समिति व चर्चित फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण विद व उप निदेशक (बचत) आगरा मण्डल आगरा प्रभात मिश्र की प्रेरणा से वर्ष 2023 से शुरु किए गए प्रकृति प्रेम दिवस की द्वितीय वर्षगांठ एवं वसंत पंचमी के पावन पर्व पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डॉक्टर एवं पर्यावरण विद सहित विद्यालय परिवार से समंवय स्थापित करते हुए जलेसर रोड़ केशवपुरम स्थित श्री स्वामी बच्चू बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें, छात्राओं ने सरस्वती वंदना व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाट्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य राम प्रसाद एवं शिक्षिका योगिता सोनी ने किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने सभी को 9 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत एवं विधिक सेवाओं की जानकारियां देते हुए महिलाओं के अधिकार और कार्यस्थल पर होने वाले यौन शोषण के प्रति जागरूक किया। साथ ही, विद्यालय में अब तक आंतरिक परिवाद समिति का गठन न किए जाने पर नाराजगी जताई। बाल कल्याण समिति सदस्य प्रोफेसर उग्रसेन पाण्डे ने गुड टच बैड टच एवं जेजे एक्ट के विषय में विस्तार से बताते एवं वर्तमान में आ रहे पॉक्सो अधिनियम संबंधित पीड़ताओं के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समस्त बालिकाओं का

संवेदीकरण किया और सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया।पर्यावरण विद व उप निदेशक (बचत) आगरा मण्डल आगरा प्रभात मिश्र एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पांडेय सहित, डॉ. मिली अग्रवाल, ईएलसी के सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा, विद्यालय के मैनेजर आनंद मित्तल, जनआधार कल्याण समिति सचिव प्रवीन कुमार शर्मा सहित चर्चित फाउंडेशन कोषाध्यक्ष कश्मीर सिंह व अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर मुख्य रूप से पीएलवी प्राची गुप्ता, रूबी राठौर, दीपिका सिंह, ममता भारद्वाज, सचिन कुमार, सोनपाल, राजकुमार, पंकज चतुर्वेदी सहित रेखा, अनुष्का, गिरिजा, प्राची, किरन, नितेश, संजीव, ब्रह्म कुमार, सर्वेश, योगेश, राजवीर, शैलेन्द्र, शुभम, जय प्रकाश, विनय कुमार, राजेश, कमल किशोर, बाल किशन व अन्य शिक्षक, शिक्षिकाऐं, छात्राएं उपस्थित रहीं।

मुहांसे हो या झुर्रियां, स्किन की कई परेशानियों को दूर करेगा शहद, जानें इससे मिलने वाले फायदे

स्किन केयर के लिए हम कई महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना इतने पैसे खर्च किए भी आप अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं। शहद का इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकते हैं। जी हां, शहद में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो इसे केवल खाने के लिए ही नहीं बल्कि, स्किन केयर के लिए भी फायदेमंद बनाते हैं। आइए जानते हैं, स्किन पर शहद के इस्तेमाल से क्या फायदे मिल सकते हैं।

डार्क स्पॉट्स कम करने में मददगार

शहद में हाइड्रोजन परऑक्साइड पाया जाता है, जो स्किन को लाइट बनाने में काफी मददगार होती है। इसलिए यह डार्क स्पॉट्स को हल्का करने में मदद करता है। एक्ने की वजह से होने वाले निशान या सन स्पॉट्स को हल्का करने में शहद काफी सहायक हो सकता है।

मॉइस्चराइज करने में लाभदायक

शहद लगाने से स्किन मॉइस्चराइज्ड रहती है। शहद एक प्रकार का ह्यूमकटेंट होता है, जो हवा से मॉइस्चर लेकर, स्किन को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह काफी समय तक मॉइस्चर लॉस से भी बचाता है, जिससे त्वचा रूखी नहीं होती और हाइड्रेटेड रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा मुलायम रहती है, जिससे फाइन लाइन्स की समस्या भी कम होती है।

एक्ने की समस्या को कम करने में सहायक

शहद में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने को जल्दी ठीक करने और अधिक एक्ने होने से बचाने में काफी मदद करता है। साथ ही, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने की वजह से होने वाली सूजन को कम करने में मददगार होता है।

एक्सफोलिएट करने में मददगार

शहद में एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जिस कारण से यह स्किन पर इकट्ठा डेड सेल्स को रिमूव करने और त्वचा के पोर्स में इकट्ठा गंदगी को साफ करने में काफी मददगार होता है। डेड स्किन सेल्स को हटाने की वजह से स्किन ब्राइट नजर आती है, इसलिए यह स्किन को ग्लोइंग बनाने में भी मदद करता है।

हालांकि, शहद के इस्तेमाल के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि यह शुद्ध हो और इसमें किसी प्रकार का केमिकल नहीं मिलाया गया हो। केमिकल की वजह से यह स्किन के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। इसके अलावा, इस बात का ख्याल भी रखें कि आपको पॉलेन या किसी बी प्रोडक्ट से एलर्जिक तो नहीं है। इसलिए चेहरे पर लगाने से पहले, पैच टेस्ट कर लें।

आंकड़ों के खेल में फंसी है गरीबी हटाओ योजना

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए भारत के पास कई योजनाएं हैं, जो की जा रही हैं और कई अन्य हैं जो विफल हो रही हैं। गरीबी पर वास्तव में हमला करने की इच्छा है तो हम ईमानदारी, प्रतिबद्धता के साथ संकेतकों को सावधानी से पढ़ें और समस्या में गहरी पैठ रखने वाले संरचनात्मक मुद्दों को ठीक करने के लिए काम करें जिनके लिए समय और प्रयास दोनों की आवश्यकता होती है। विकास के लिए न कोई त्वरित समाधान है और न कोई जादू की छड़ी होती है।लेखानुदान के रूप में प्रस्तुत 2024-25 के केंद्रीय बजट में एक बार फिर भारत की बहुआयामी गरीबी में कथित नाटकीय कमी की बात की गई है। आकर्षक सुर्खियों के तार से जुड़ी यह घोषणा पहले की घोषणाओं को दोहराती है। दावा यह है कि पिछले नौ वर्षों में 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी% से बाहर निकल आए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के करीब 6 करोड़ लोग हैं। इसके बाद बिहार के 3.80 करोड़ और मध्य प्रदेश के 2.30 करोड़ लोग हैं।यह डेटा नीति-आयोग की रिपोर्ट नेशनल मल्टीमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस 2005-06- ए डिस्कशन पेपर% पर आधारित है और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी उद्धृत किया गया था ताकि विकास को %विश्वास के रथ% के रूप में बात की जा सके जो भारत को बदल रहा है। जनवरी, 2024 में विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से पिछले नौ वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उनके शब्दों में- %हमारी सरकार ने असंभव को भी संभव बना दिया। भारत तेजी से बदल रहा है।% यह पेपर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों को कवर करता है। संकल्प यात्रा आने वाले राष्ट्रीय चुनाव को देखते हुए दूरदराज के इलाकों में गरीबी कम करने के दावों का श्रेय लेने के लिए खुद आधिकारिक मशीनरी का उपयोग करती है। सवाल यह है कि दावा कितना उचित है और क्या यह जांच पर खरा उतरता है?संक्षेप में कहें तो बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) परिवारों की आय या व्यय पर आधारित नहीं बल्कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों पर आधारित है जो तीन समान शक्तिशाली आयामों- स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर- तक पहुंच सहित 12 संकेतकों के माध्यम से मापा गया है। राष्ट्रीय एमपीआई वैश्विक एमपीआई से सभी दस संकेतकों को कायम रखते हुए इसमें दो अतिरिक्त संकेतक, मातृ स्वास्थ्य और बैंक खाते को शामिल करता है। प्रत्येक संकेतक में एक सुनिश्चित कट ऑफ होता है जिसके नीचे आ रहे व्यक्ति को वंचित माना जाता है। वंचितों का एक भारित योग अंक देता है। यदि उनका अभाव स्कोर 33.33 प्रतिशत की गरीबी कटऑफ के बराबर या उससे अधिक है तो उस व्यक्ति को एमपीआई गरीब माना जाता है।एमपीआई गणना में कोविड-19 के प्रभाव को छोड़ दिया गया है मानो महामारी के दौरान स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा, जीवन स्तर पर कोई प्रभाव न पड़ा हो। इन क्षेत्रों पर महामारी के कारण आए वास्तविक प्रभाव और बोझ न केवल तत्काल बल्कि अनुवर्ती प्रभाव भी पड़ते हैं जो बाद के वर्षों में भी चलते हैं। चर्चा पत्र में कहा गया है कि %चूंकि एनएफएचएस-5 डेटा का कुछ हिस्सा महामारी से पहले एकत्र किया गया था इसलिए इस पेपर में प्रस्तुत अनुमान अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रभाव या बाद के सरकारी हस्तक्षेपों के निहितार्थ को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं कर सकते हैं।भारतीय संदर्भ में इस प्रकार गणना की गई बहुआयामी गरीबी को कुछ विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सूचकांक में स्कूली शिक्षा एक तिहाई भार वहन करती है और इसके भीतर दो संकेतक हैं-एक परिवार को तब वंचित माना जाता है यदि (अ) 10 वर्ष या उससे अधिक आयु के घर के एक सदस्य ने भी छह साल की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं की है। (ब) कोई भी स्कूल जाने वाली आयु वर्ग का बच्चा उस उम्र तक स्कूल नहीं जा रहा है जिस उम्र में वह कक्षा 8 पूरी करेगा।कोविड के प्रभाव को एक तरफ छोड़ दिया जाए और शिक्षा के बारे में दोनों सवालों के जवाब के परिणाम से पता चलता है कि वे वंचित नहीं की श्रेणी में आते हैं, तो भी यह बताने के लिए डेटा है कि यह बहुत अधिक नहीं हो सकता। स्कूलों के बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता और गुणवत्ता तथा स्कूल प्रणाली को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों पर संदेह को देखते हुए यह स्पष्ट है कि स्कूली शिक्षा के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता है और वास्तव में भी पूरा नहीं किया गया है। गैर-लाभकारी संस्था प्रथम के तत्वावधान में पिछले महीने नई दिल्ली में जारी एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट रूरल एएसईआर 2023 = बियॉन्ड बेसिक्स से यह बिल्कुल स्पष्ट है।एएसईआर 2023 में पाया गया कि %सर्वेक्षण में शामिल लगभग 85 प्रतिशत युवा, स्केल का उपयोग शुरुआती बिंदु शून्य सेमी होने पर लंबाई माप सकते हैं

लेकिन यदि शुरुआती बिंदु को स्थानांतरित कर लंबाई नापने को कहें तो यह अनुपात तेजी से गिरकर 39 प्रतिशत हो जाता है। जैसा कि एएसईआर 2023 सर्वेक्षण में बताया गया है, 14-18 वर्ष के आयु वर्ग के किशोर/युवा गणित में कमजोर हैं और उनमें से आधे से अधिक (56.7 फीसदी) सामान्य तीन अंकीय गुणा-भाग करने में कठिनाई महसूस करते हैं जो कौशल आम तौर पर कक्षा तीसरी-चौथी कक्षा के बच्चों से अपेक्षित है।जीवन स्तर के संकेतक पर विचार करें जो कहता है कि यदि परिवार में किसी के पास बैंक या डाकघर खाता नहीं है तो वह एक वंचित परिवार है।

हो सकता है कि बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोले गए हों लेकिन जब इस बात पर कोई विचार नहीं है कि इनमें से कितने चालू हैं अथवा क्या इससे बैंकिंग लेन-देन या संबंधित वित्तीय गतिविधियां हुई हैं, जैसे बीमा कवरेज आदि तो यह कैसे एक विश्वसनीय संकेतक हो सकता है?इसलिए कार्यप्रणाली के तरीके, संकेतकों का चयन, ज्ञात तथ्यों और निरीक्षणों के आधार पर कोविड के वर्षों के लिए निकाले जाने वाले काल्पनिक अनुमानों और संबंधित तकनीकी मुद्दों के अलावा यह उन संख्याओं पर सवाल उठाता है जो प्रगति का संकेत तो देते हैं लेकिन जमीनी वास्तविकताओं को नहीं बता सकते।

यह नहीं कहा जा रहा है कि एमपीआई को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाए लेकिन यह जरूर कहा जाना चाहिए कि निकाली गई नाटकीय संख्या और शानदार निष्कर्ष विवादास्पद हैं। वे मार्केटिंग के उस अतिरेक की ओर इशारा करते हैं जो उपलब्धि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है, आत्मसंतोष की भावना पैदा कर सकता है लेकिन बेहतरी के नए प्रयासों को दबा सकता है क्योंकि प्रस्तुत चित्र पहले से ही खूबसूरत है।इस सबके बीच, नौकरियां और नौकरियों की गुणवत्ता भी चिंता का विषय बनी हुई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी, सीएमआईई ने बताया कि दिसंबर 2023 में ग्रामीण बेरोजगारी 8 प्रतिशत थी जो 2020 को छोड़कर पिछले सात वर्षों में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी। दिसंबर 2017 से यह दर लगातार बढ़ रही है। उस समय ग्रामीण बेरोजगारी 4.6 प्रतिशत थी। शहरी भारत में बेरोजगारी दर बढ़कर दिसंबर 2023 में 10.1 फीसदी हो गई जो एक साल पहले के स्तर के समान है लेकिन पिछले तीन वर्षों में दिसंबर में लगभग 9 प्रतिशत की दर से ज्यादा है।जनवरी 2024 में भारत में समग्र बेरोजगारी दर तेजी से गिरकर 6.8 प्रतिशत हो गई लेकिन इस गिरावट ने श्रम बाजार में उस तनाव को छुपा दिया जो श्रम भागीदारी दर के साथ-साथ रोजगार दर में गिरावट से दिखाया गया था।

भारत में कुल रोजगार में गिरावट आई है जो मुख्य रूप से कृषि में रोजगार के महत्वपूर्ण नुकसान से प्रभावित है। हालांकि सेवा क्षेत्र ने काफी हद तक श्रमिकों को रोजगार दिया है लेकिन इन नौकरियों की गुणवत्ता स्पष्ट रूप से बिगड़ गई।गरीबी में नाटकीय कमी के आंकड़े केंद्र सरकार द्वारा इस साल जनवरी से पांच साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करने की जरूरत के विपरीत है। लगभग इतनी ही संख्या में लाभार्थियों को पहले मुफ्त भोजन प्रदान किया गया था।

संपादकीय

नफरत का अमेरिका

भले ही लाखों भारतीय युवाओं के लिये अमेरिका एक सुनहरे सपनों का देश हो, लेकिन नये साल की शुरुआत में पांच प्रतिभावान भारतीय छात्रों की मौत बताती है कि वहां जमीनी हकीकत खासी कंटीली है। अपनी मेधा-परिश्रम के बूते अपनी विशिष्ट जगह बनाते भारतीय युवा उन काहिल अमेरिकी युवाओं की आंख की किरकिरी बने हुए हैं जिन्हें लगता है कि भारतीय युवा उनकी जगह ले रहे हैं। दरअसल, इस सोच को दक्षिणपंथी राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने हवा दी। डोनाल्ड ट्रंप तो युवाओं का राजनीतिक दोहन करके चले गए लेकिन पथभ्रष्ट अमेरिकी सफलता की नई इबारत लिख रहे युवा भारतीयों को निशाना बना रहे हैं। हालात कई भारतीय छात्रों के स्वप्नों का अमेरिका में दुःस्वप्न बनाया जा रहा है। फरवरी के पहले सप्ताह में शिकागो में एक भारतीय युवा को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। इससे पहले एमबीए की डिग्री हासिल करने वाले विवेक सैनी की लिथोनिया में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इंडियाना में समीर कामत पिछले सप्ताह मृत पाए गए। एक अन्य छात्र नील आचार्य लापता हुए, बाद में उनकी मृत्यु होने की पुष्टि हुई। वहीं एक युवा अकुल धवन, जो इलिनोइस विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, पिछले माह मृत पाया गया। इसी तरह श्रेयस रेड्डी की मौत की खबर कुछ सप्ताह पूर्व आई। निश्चय ही ये हत्याएं उन छात्रों को व्यथित करने वाली हैं जो अमेरिका में अपने सपनों का संसार देखते हैं। निस्संदेह, ये घटनाएं उन मां-बाप के लिये दुखदायी हैं जो अपने चल-अचल संपत्ति बेचकर या जीवन की सारी पूंजी लगाकर अपने बच्चों का भविष्य संवारने अमेरिका भेजते हैं। ये बच्चे नस्लवादी व नशेड़ियों की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। आज एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छह फीसदी आयकर दे रहे हैं। उनकी संपन्नता कुछ अमेरिकियों की आंख में खटकती है। दरअसल, अमेरिका में बेरोजगारी काफी है और अपनी अयोग्यता के चलते भारतीय छात्रों का मुकाबला नहीं कर पाते। यह दुराग्रह उन्हें कालांतर में हिंसक बनाता है।

दरअसल, केवल अमेरिकी युवा ही नहीं, अमेरिकी पुलिस भी नस्लवाद मुक्त नहीं है। एक भारतीय छात्रा की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर संवेदनहीन टिप्पणी करता एक पुलिसवाला पिछले दिनों सुर्खियों में था। सारी दुनिया में मानवाधिकारों व सांप्रदायिक सौहार्द की ठेकेदारी करने वाला अमेरिकी प्रशासन भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता। रोजगार के अवसरों की कमी के चलते उत्पन्न असंतोष की वजह से बड़ी संख्या में अमेरिकी युवा नशे और अपराध की दुनिया में उतर रहे हैं। यह दुखद ही है कि पिछले एक साल में अमेरिका में रह रहे पांच सौ बीस भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो पिछले साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक हैं। हिंसा की चपेट में केवल छात्र ही नहीं हैं बल्कि वहां नौकरी कर रहे और वहां बस चुके लोग भी शामिल हैं।

दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक टिप्पणी की थी कि भारतीय युवा अमेरिकी युवाओं का हक छीन रहे हैं। उनका दावा था कि सत्ता में आने पर वे उनका हक दिलवाएंगे। यही वजह है कि दक्षिणपंथी ट्रंप को आज भी अधिक अमेरिकी युवाओं का समर्थन मिल रहा है। दक्षिणपंथी अमेरिकियों को इस बात से भी परेशानी है कि बाइडन प्रशासन भारतीय मूल के लोगों को अधिक तरजीह दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि बाइडन सरकार ने सवा सौ से अधिक महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों की नियुक्ति की है। यहां तक कि आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में भारतीय समुदाय के लोगों और राजनयिक कर्मचारियों को छात्रों तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

उन्हें समयबद्ध तरीके से जांच करवाने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर भी दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए। भारतीय छात्रों को भी सचेत रहने की जरूरत है कि खुद को दुनिया का आदर्श लोकतंत्र कहने वाले अमेरिका में नस्लीय सड़ांध गहरे तक है। विडंबना यह है कि अमेरिकी मीडिया, जो भारत में छोटी-छोटी घटनाओं पर हो-हल्ला करता रहता है, घृणा के अपराधों को उजागर करने तथा भारतीय छात्रों की दशा पर खामोश रहता है।

सर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

निर्णय के अनुसार, %प्राथमिक स्तर पर, राजनीतिक योगदान योगदानकर्ताओं को सत्ता की मेज पर एक सीट देता है, यानी, यह नीति निर्धारकों तक पहुंच बढ़ाता है। यह पहुंच नीति निर्धारण पर प्रभाव डालने में भी सहायक होती है। इस बात की भी वैध संभावना है कि किसी राजनीतिक दल को वित्तीय योगदान देने से धन और राजनीति के बीच घनिष्ठ संबंध के कारण बदले की व्यवस्था हो जायेगी।

नरेंद्र मोदी सरकार की चुनावी बांड योजना को अंततः %असंवैधानिक% घोषित करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ को बधाई, क्योंकि बांड भारत के संविधान की धारा19(1) के तहत सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। केंद्र सरकार की ओर से बांड जारी करने वाले भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल 2019 को चुनाव आयोग को जारी अंतरिम आदेश के दिन से आगे के बांड जारी करने से रोकने और जारी किये गये बांड और खरीदारों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है जिसे चुनाव आयोग को 13 मार्च 2024 तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करने का आदेश दिया गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि 12 अप्रैल, 2019 के बाद जारी किये गये चुनावी बांड का क्या होगा, जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी किया था। कानूनी पर्यवेक्षकों को उम्मीद थी कि चुनावी बांड की बिक्री पर अंतरिम रोक लगा दी जायेगी, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को समान चुनावी अवसर को विकृत कर रहा था जो लोकतंत्र के कामकाज से जुड़ा एक संवेदनशील मुद्दा था। लेकिन यह रोक नहीं लगाई गई और यह योजना लगभग पांच साल तक जारी रही क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई जारी रही। सुनवाई 2 नवंबर, 2023 को समाप्त हुई और पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया।निर्णय के अनुसार, %प्राथमिक स्तर पर, राजनीतिक योगदान योगदानकर्ताओं को सत्ता की मेज पर एक सीट देता है, यानी, यह नीति निर्धारकों तक पहुंच बढ़ाता है। यह पहुंच नीति निर्धारण पर प्रभाव डालने में भी सहायक होती है। इस बात की भी वैध संभावना है कि किसी राजनीतिक दल को वित्तीय योगदान देने से धन और राजनीति के बीच घनिष्ठ संबंध के कारण बदले की व्यवस्था हो जायेगी। चुनावी बांड योजना और उसके विवादित प्रावधान,जिसमें योगदानकर्ता को अज्ञात रखा जाता था, भारत के संविधान की धारा19(1)(ए) के तहत मतदाता के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करते थे।

अदालत ने माना कि आनुपातिकता के सिद्धांत का प्रतिबंधात्मक साधन परीक्षण संतुष्ट नहीं है और काले धन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए चुनावी बांड के अलावा अन्य साधन भी हैं, भले ही इसे एक वैध उद्देश्य माना जाये। न्यायालय ने कहा कि सूचना के अधिकार का उल्लंघन उचित नहीं है। यह स्वीकार करते हुए कि सूचनात्मक गोपनीयता का अधिकार वित्तीय योगदान तक फैला हुआ है, जो राजनीतिक संबद्धता का एक पहलू है, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने खुलासा किया। उन्होंने माना कि सूचना और सूचनात्मक गोपनीयता के परस्पर विरोधी अधिकारों को संतुलित करने के लिए दोहरा आनुपातिकता मानक लागू किया गया था। पीठ ने आयकर कानून, जन प्रतिनिधित्व कानून और कंपनी कानून में संशोधन को असंवैधानिक करार दिया।

फैसले में कहा गया है कि चुनावी बांड जो 15 दिनों की वैधता अवधि के भीतर हैं, लेकिन जिन्हें राजनीतिक दलों ने अभी तक भुनाया नहीं है, उन्हें राजनीतिक दल द्वारा केता को वापस कर दिया जायेगा। इसके बाद जारीकर्ता बैंक कर्ता के खाते में राशि वापस कर देगा। यह ठीक है। इसमें कोई बड़ी राशि शामिल नहीं है क्योंकि यह केवल इस वर्ष जनवरी में जारी किश्त से संबंधित है। लेकिन 12 अप्रैल, 2019 के बाद 2023 के अंत तक जारी किये गये बांड राशि बहुत बड़े हैं और अधिकांश धन का उपयोग भाजपा द्वारा राज्य विधानसभा के साथ-साथ 2019 के लोकसभा चुनाव और वर्तमान में चलाये जा रहे अभियान के लिए भी किया जा रहा है। पार्टी जिसके पास पहले से ही विदेशी सहित अन्य स्रोतों से धन उपलब्ध है, वह 12 अप्रैल, 2019 को बांड के मुद्दे पर अंतरिम रोक देने से इनकार करके सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए गलत फैसले की लाभार्थी रही है।चुनावी बांड योजना 2017 में संसद द्वारा पारित की गई थी और यह 2018 से प्रभावी हुई। जल्द ही कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाओं के केंद्र में वित्त अधिनियम 2017 में संशोधन के माध्यम से शुरू की गई चुनावी बांड योजना पर आपत्तियां हैं। याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉरडेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और कांग्रेस नेता जया ठाकुर शामिल हैं जिन्होंने तर्क दिया कि चुनावी बांड से जुड़ी गुमनामी राजनीतिक वित्त पोषण में पारदर्शिता को कमजोर करती है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार का अतिक्रमण करती है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि यह योजना शेल कंपनियों के माध्यम से योगदान की सुविधा प्रदान करती है, जिससे चुनावी वित्त में जवाबदेही और अखंडता के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। 15 फरवरी 2024 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने उनके रुख की पुष्टि की।2 जनवरी से 11 जनवरी, 2024 तक चली चुनावी बांड बिक्री के नवीनतम चरण में 570 करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बांड बेचे गये हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू होने के बाद से यह बेचा गया चुनावी बांड का दूसरा बैच था। 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देते हुए, अब तक 30 किश्तें बेची जा चुकी हैं और सबसे बड़ी लाभार्थी भाजपा रही है जो सत्तारूढ़ पार्टी है। चूंकि कॉरपोरेट बांड के मुख्य खरीदार हैं, वे ज्यादातर सत्तारूढ़ शासन का पक्ष लेने के लिए भाजपा को दान देते हैं।

हालिया एडीआर रिपोर्ट से पता चलता है कि 2022-23 में कॉरपोरेटजगत ने 850 करोड़ रुपये का दान दिया। इस राशि में से 719.8 करोड़ रुपये भाजपा को मिले और कांग्रेस को केवल 79.92 करोड़ रुपये। इसका मतलब है कि 80 प्रतिशत से अधिक कॉर्पोरेट चंदा सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अप्रैल/मई 2024 में लोकसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कॉर्पोरेट अपने खर्च पर भाजपा को दान दे रहे हैं क्योंकि वे सरकार की केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किसी भी छापे से बचना चाहते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड योजना को रद्द करके अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाया है। हालांकि इससे भाजपा की वित्तीय ताकत किसी भी तरह से कमजोर नहीं होगी। इसका चुनावी खजाना विदेशी और देश के पूंजीपति दोनों की वित्तीय मदद से बहुत बड़ा है। संविधान के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय को भारत में संसदीय लोकतंत्र के कामकाज में समान अवसर की रक्षा के लिए एक प्रहरी के रूप में कार्य करना होगा।

क्या आप जानते हैं मेनोपॉज का महिलाओं के शरीर पर पड़ता है क्या असर लक्षणों से निपटने के लिए अपनाएं ये टिप्स

मेनोपॉज का मतलब है मासिक धर्म की समाप्ति। मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को पीरियड्स आने बंद हो जाते हैं। बहुत कम महिलाओं को पता होता है कि मेनोपॉज के 3 फेज होते हैं- प्री-मेनोपॉज, मेनोपॉज और पोस्ट-मेनोपॉज। बता दें, महिलाएं 37 से 38 की उम्र में प्री-मेनोपॉज के लक्षणों को महसूस कर सकती हैं। लेकिन हर महिला के लिए इसकी उम्र अलग हो सकती है।कब होता है मेनोपॉज मेनोपॉज तब होता है, जब महिलाओं के शरीर में अंडाशय और अंडों की संख्या कम होने लगती है। साथ ही, शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का उत्पादन भी कम होता है। ऐसे में महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतों जैसे तनाव, चिंता, डिप्रेशन, मूड स्विंग और एंग्जाइटी आदि से जूझना पड़ता है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि मेनोपॉज में महिलाएं शारीरिक रूप से प्रभावित नहीं होती है। इसकी वजह से उन्हें कई तरह की शारीरिक दिक्कतों का भी

सामना करना पड़ता है। आइए मेनोवेदा की मेनोपॉज कोच और फाउंडर तम्मना सिंह से जानते हैं कि मेनोपॉज का महिलाओं की मानसिक और शारीरिक सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है।मेनोपॉज का महिलाओं के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव-हॉट फ्लैशेस-हॉट फ्लैशेस मेनोपॉज का एक सबसे आम लक्षण होता है। इसमें महिलाओं के शरीर में अचानक से तापमान बढ़ जाता है। इसकी वजह से महिलाओं को त्वचा पर दाने निकल सकते हैं और शरीर में गर्माहट महसूस हो सकती है। रात में पसीना आना-मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को पसीना आने जैसे लक्षण का भी अनुभव हो सकता है। खासकर, रात के समय ज्यादा पसीना आता है। इसकी वजह से महिलाओं की नींद भी प्रभावित हो सकती है।वजन बढ़ना मेनोपॉज के दौरान महिलाओं का वजन भी तेजी से बढ़ने लगता है। दरअसल, इस अवस्था में महिलाओं का मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है। साथ ही, उनके शरीर में हार्मोनल बदलाव भी होते हैं। ऐसे में महिलाओं को वेट गेन से परेशान होना पड़ता है। खासकर, पेट के आस पास के क्षेत्र पर चर्बी जमा होने लगती है।ऑस्टियोपोरोसिस मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है। साथ ही, मेनोपॉज अधिक उम्र में होता है। इसकी वजह से उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में महिलाओं को ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षणों का अनुभव हो सकता है।मेनोपॉज में होने वाली समस्याओं को कैसे मैनेज करें-मेनोपॉज में महिलाओं को तनाव से जूझना पड़ता है। इस अवस्था में वे डिप्रेशन और एंग्जाइटी का शिकार होने लगती हैं।

हाई बीपी से परेशान लोग ऐसे करें नींबू का इस्तेमालतुरंत कंट्रोल होगा ब्लड प्रेशर

साइलेंट किलर नाम से मशहूर हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन और उच्च रक्तचाप के नाम से भी जाना जाता है। यह एक गंभीर रोग है जो व्यक्ति के हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे के साथ अन्य अंगो को भी नुकसान पहुंचा सकता है। बता दें, हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा स्ट्रेस लेने, फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा या कम करने से, खान-पान की खराब आदतों की वजह से अचानक बढ़ सकता है। जिसे कंट्रोल करने के लिए नींबू के इन 3 तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। बता दें, नींबू एक साइट्रस फ्रूट है, जिसका सेवन करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन ठीक होता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन सी में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जिससे हाइपरटेंशन की समस्या दूर होती है। आइए जानते हैं कैसे नींबू के इन 3 तरीकों को इस्तेमाल करके आप हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल कर सकते हैं।हाई बीपी के लक्षण-छाती में दर्द, चक्कर आना, चेहरा लाल होना, सांस लेने में मुश्किल, कमजोरी, धुंधली नजरें, पेशाब में खून आना, थकान, टेंशन, दिल की धड़कन में गड़बड़ी, सिरदर्द, नाक से खून आना।बीपी हाई होने के कारण बीपी हाई होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे- फैमली हिस्ट्री, जेनेटिक, उम्र और सबसे बड़ा कारण खराब जीवनशैली। हाई बीपी के जोखिम-हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हार्ट अटैक, एन्यूरिज्म, हार्ट फेलियर, किडनी की बिमारी, आंखों से संबंधित समस्याएं, मेटाबोलिक सिंड्रोम, मेमोरी लॉस, डिमेंशिया, जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।हाई बीपी को कंट्रोल करने के उपाय-नींबू का शरबत-बीपी कंट्रोल करने के लिए नींबू का शरबत बनाकर पिएं। इसके लिए एक गि?लास ठंडे पानी में सेंधा नमक और एक बड़ा च?मच नींबू का रस डालें। आपका नींबू का शरबत बनकर तैयार है। नींबू का शरबत पीने से हाई बीपी को कंट्रोल कि?या जा सकता है। नींबू और दालचीनी दालचीनी और नींबू का सेवन करने से भी बीपी कंट्रोल करने में मदद मि?लती है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जिससे बीपी कंट्रोल करने में मदद मिलती है। दालचीनी पाउडर को नींबू के रस में मिलाकर उसका पेस्ट तैयार करके उसे गुनगुने पानी के साथ लें नींबू और काली मिर्च बीपी को तुरंत कंट्रोल करने के लिए आधा गिलास पानी में काली मिर्च का ताजा पाउडर और नींबू का रस मिलाकर हर आधे घंटे में पि?एं। इस उपाय को करने से बीपी धीरे-धीरे कंट्रोल हो जाएगा। काली मिर्च में पाया जाने वाला पाइपराइन बीपी कंट्रोल करने में मदद करता है।

करने जा रहे हैं तो रखें इन बातों का ध्यान, एक्सपर्ट से जानें रक्तदान से पहले और बाद में कैसा हो आहार

डॉ. रश्मी सूद, इम्यूनोहेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल गुरुग्राम के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष 15 मिलियन यूनिट्स रक्त की जरूरत पड़ती है। हर रोज देश में 12,000 लोग खून की कमी के कारण अपनी जान गवां देते हैं। इसी से पता चलता है की जरूरतमंद व्यक्ति के लिए खून कितना आवश्यकता है। खून की जरूरत विशेष रूप से थैलेसीमिक बच्चों, किडनी रोगी, गर्भवती महिलाओं एवं कैंसर रोगियों को पड़ती है।डॉ. रश्मी के अनुसार, रक्त दान को लेकर लोगों के मन में एक भ्रम बना हुआ है कि खून देने से शरीर में कमजोरी आ जाती है, जो कि गलत है। बता दें, खून देने से शरीर में खून की कमी नहीं होती क्योंकि इंसान के शरीर में रक्त पहले से ही अच्छी मात्रा में होता है। इसके अलावा व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना जरूरी है की वो पौष्टिक आहार खाएं और एक बैलेंस्ड डाइट को फॉलो करें। रक्त देने से पहले और बाद में अपने आहार पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। एक अच्छी तरह से संतुलित और पौष्टिक आहार का पालन करके, आप अपने ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, खोए हुए पोषक तत्वों की भरपाई कर सकते हैं और अपने शरीर की उपचार प्रक्रिया का समर्थन कर सकते हैं।चार चीजों से मिलकर बनता है रक्त लाल सेल, सफेद सेल, प्लेटलेट्स और लिक्विड पार्ट यानी की प्लाज्मा। डॉ. रश्मी रक्त दान करने से पहले और बाद में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थ के बारे में बताती हुए कहती है की एक सफल दान के लिए अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। अत्यधिक कैफीन और शराब के सेवन से बचें क्योंकि ये आपके शरीर को डिहाइड्रेट कर सकते हैं। बॉडी में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए करें इन चीजों का सेवन-आयरन रक्त में हीमोग्लोबिन बनाने के काम आता है, सबसे जरूरी है की हीमोग्लोबिन की मात्रा 12.5

ग्राम पर डेसीलीटर से अधिक होगी, तब ही हम एक रक्त दाता बन सकते हैं। सबसे पहले यह बात सुनिश्चित करें कि नियमित रूप से आयरन का सेवन करें क्योंकि हीमोग्लोबिन ने ही फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों तक लेकर जाना होता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए विटामिन सी भी मदद कर सकता है। बता दें, विटामिन बी खासकर के विटामिन बी 12 और फोलिक भी लाल सेल को बढ़ाते हैं। आयरन पत्तेदार सब्जियां, चुकुन्दर, सेब, अनार, तरबूज, केला, जामुन,अंजीर जैसे फल, और अंकुरित आहार, बादाम, अखरोट, तुलसी, गुड़, मूंगफली, तिल, सूखी किशमिश, पिस्ता आदि में पाया जाता है। विटामिन सी आयरन के अवशोषण को आसान बनाता है। विटामिन सी खट्टे फल, कीवी,आम, पपीता, संतरा, स्ट्रॉबेरी, टमाटर, ब्लूबेरी के सेवन से बढ़ सकता है।फोलिक रिच फूड-फोलिक रिच फूड लाल रक्त की कोशिकाओं को बढ़ाने का काम करते हैं, इसके लिए पत्तेदार साग,और संतरे का रस आदि लेना चाहिए। राइबोफ्लेविन या विटामिन बी 2 भी लाल रक्त की कोशिकाओं को बनाने में इस्तेमाल होते हैं। दूध, दही आदि डेरी प्रोडक्ट्स का सेवन करने से ये बढ़ते हैं। विटामिन बी शरीर में रुकता नहीं इसलिए इसका नियमित सेवन करना जरूरी होता है।पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं-पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। प्लाज्मा में 50 प्रतिशत हिस्सा पानी का होता है, इसके लिए रक्त दान से पहले और बाद में अच्छी मात्रा में पानी पिएं। रक्त दान से पहले दो कप ज्यादा पानी और रक्त दान के बाद छह कप ज्यादा पानी रुक रुक कर दिन भर में पिएं। इसके अलावा संतरे का जूस भी पिया जा सकता है।रक्तदान करते समय इन बातों का रखें खास ख्याल-डॉ. रश्मी बताती हैं कि रक्तदान के लिए निरंतर अच्छा खाना खाने और पानी पीने के अलावा इन चीजों का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। भोजन करने के तुरंत बाद रक्त दान नहीं करना चाहिए। खाना खाने के चार घंटे के भीतर रक्त दान करना सही है।-रात को 6-7 घंटे की भरपूर नींद लेनी चाहिए।-धूम्रपान या नशे की स्थिति में रक्त दान नहीं करना चाहिए।रक्तदान करते समय न करें ये गलतियांडॉ. रश्मी बताती है कि धूम्रपान करने के बाद कम से कम चार घंटे रुककर रक्त दान किया जा सकता है। रक्त दान से कम से कम 24 घंटे पहले से अल्कोहल का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। अल्कोहल का नियमित सेवन करने वाले व्यक्ति को रक्तदान नहीं करना चाहिए।

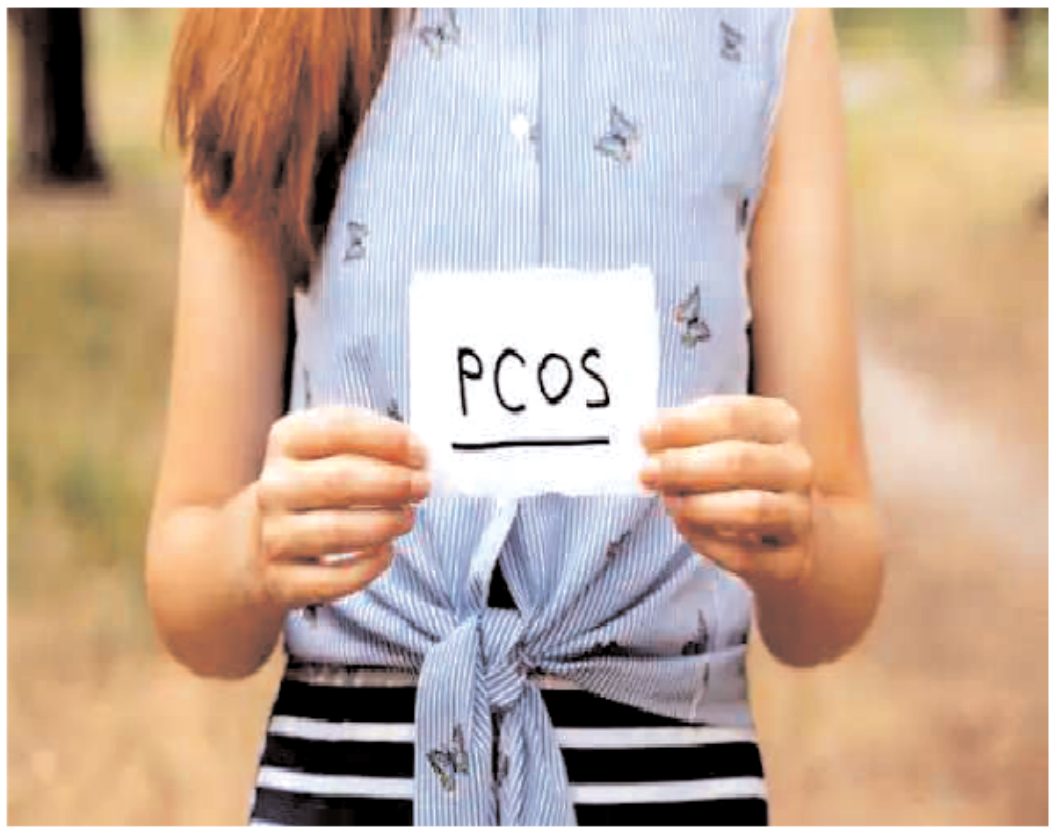

इन 6 लक्षणों से समझें आपको है पीसीओएस की समस्या बॉडी में हो रही हार्मोंस की गड़बड़ी

पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम एक तरह की हार्मोंस की बीमारी है। जिसमे ओवरीज में एग्स ठीक तरह से रिलीज नहीं होते। साथ ही इररेगुलर पीरियड्स और दूसरी कई सारी परेशानियां होने लगती है। पीसीओएस की समस्या होने पर कई बार पीरियड्स पर असर नहीं पड़ता और वो रेगुलर रहते हैं। लेकिन ये सारे लक्षण बता देते हैं कि बॉडी में हार्मोंस का स्त्राव ठीक तरीके से नहीं हो रहा। इन 6 लक्षणों से समझें कि शरीर में हार्मोंस की गड़बड़ी हो गई है। जिसकी वजह से पीसीओएस हो गया है। जल्दी-जल्दी भूख लगनापीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोंस ठीक तरीके से नहीं बनते हैं। जिसकी वजह से खाना खाने के बाद भी जल्दी से भूख लग जाती है। और आप के खाने की फ्रीक्वेंसी बढ़ जाती है। जिसकी वजह से पीसीओएस में शरीर का वजन तेजी से बढ़ता है। क्रेविंग्सबहुत ज्यादा मीठा, तीखा या जंकफूड खाने की क्रेविंग होती है। और ये क्रेविंग बिना खाए नहीं जाती। अगर आपके शरीर में इस तरह के लक्षण दिख रहे हैं तो समझ जाएं कि हार्मोंस की गड़बड़ी से पीसीओएस की समस्या हो रही है। सुबह भूख ना लगनारात को खाना खाने के घंटो बाद सुबह के वक्त जल्दी से भूख लगना नेचुरल है। इसीलिए हेल्दी ब्रेकफास्ट मॉर्निंग में करने का रूल बताया गया है। लेकिन अगर आपको सुबह के वक्त भूख का एहसास नहीं हो रहा तो ये हार्मोंस की गड़बड़ी की निशानी है। जिससे पीसीओएस का खतरा रहता है। मूड स्विंगबात-बात पर चिड़चिड़ापन महसूस हो रहा और रोना आ रहा यानी की मूड बदल रहा है तो ये हार्मोंस की गड़बड़ी की निशानी है। जिसकी वजह से पीसीओएस होने का खतरा रहता है। बालों का झड़नाहेयर फॉल बहुत ज्यादा हो रहा है और तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं रुक रहा तो इसका मतलब कि आपको पीसीओएस की समस्या है।

क्या रक्त दान करने से शरीर का इम्यूनिटी सिस्टम खराब हो जाता ह

दुनियाभर में 14 जून को वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया जाता है। इस इवेंट की शुरुआत वर्ल्ड हेल्थ असेंबली ने साल 2005 में की थी। जिसका उद्देश्य उन वालंटियर ब्लड डोनर को थैंक्स कहने और सेलिब्रेट करने का था। जो अक्सर अपने रक्त को दान देते रहते हैं। ब्लड डोनेशन जिंदगी बचाने का सबसे अच्छा जरिया और इससे जरूरतमंदों के लिए ब्लड सप्लाई भी बनी रहती है। आंकड़ों के मुताबिक हर दो सेकेंड में एक व्यक्ति को ब्लड चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। जिससे वो कई सारी खतरनाक और जानलेवा बीमारी से बचाते हैं। कैंसर, सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया और बच्चे को जन्म देने वाली महिला और सर्जरी के लिए समय पर खून मिलने से उनकी जान बच जाती है।जरूरी है ब्लड डोनेशनरक्तदान करना एक बार में ही काफी सारी लोगों की जान बचा सकता है। लेकिन खून देने के मामले में काफी सारे मिथ और अफवाहें रहती है। जिसकी वजह से अक्सर लोग ब्लड डोनेट करने से घबराते हैं।ब्लड डोनेशन को लेकर अफवाहेंब्लड डोनेशन यानी रक्तदान करने को लेकर लोगों के बीच काफी सारे मिथ और अफवाहें रहती है। उन्हें लगता है कि ब्लड डोनेट करने के बाद उनके शरीर में कमजोरी, इम्यूनिटी लेवल का कम होना, किसी भी तरह का इंफेक्शन तेजी से फैलता है। क्या कहते हैं एक्सपर्टएक्सपर्ट का मानना है कि ब्लड डोनेट करने से इम्यूनिटी लेवल के कम हो जाने का कोई कारण नहीं होता। बस जब हम ब्लड को डोनेट करते हैं तो शरीर में रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती है। जो कि टेंपरेरी होती है और कुछ दिनों के खानपान के बाद सही हो जाती है। ब्लड डोनेट करने से कमजोरी आती हैबहुत सारे लोगों को लगता है कि ब्लड डोनेट करने से शरीर में कमजोरी आने लगती है। लेकिन एक्सपर्ट डाक्टरों का कहना है कि ब्लड डोनेट करने के लिए तभी लिया जाता है जब शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल 12.5 या उससे ज्यादा होता है। वहीं एक यूनिट ब्लड डोनेट करने से केवल एक ग्राम हीमोग्लोबिन कम होता है। जिसकी वजह से कमजोरी नहीं होती।

आज क्षत्रिय खंगार समाज के संरक्षक श्री कप्तान सिंह सेहसरी कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से विजय सिंह परिहार
7240971698

आज क्षत्रिय खंगार समाज के संरक्षक श्री कप्तान सिंह सहकारी भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता एवं भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के बहुत करीबी अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए सबसे पहले धार महादेव मंदिर खोड में श्री दिनेश खेड़ा जी के कार्यक्रम में पहुंचे और भगवान शिव जी के दर्शन किए इसके बाद बरेला में श्री पहार सिंह परिहार के घर उनकी दादी की त्रयोदशी में शामिल हुए उनके साथ खंगार क्षत्रिय समाज के जिला अध्यक्ष जिला शिवपुरी के जिला अध्यक्ष महेश परिहार एवं मजबूत से परिहार शिवपुरी श्री विजय सिंह परिहार जिला महामंत्री खंगार क्षत्रिय समाज श्री कप्तान सिंह परिहार जनपत सदस्य के साथ अनेक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए

सी.एम. हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत को कटवाने पहुची पुलिस टीम पर कुल्हाड़ी से हमला

एएसआई सहित दो आरक्षक घायल गाड़ी भी तोड़ी

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले के मायापुर थाना क्षेत्र के बनियानी गांव में पुलिस टीम पर हमले का एक मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम बनियानी गांव में राजा लोधी के घर सीएम हेल्पलाइन दर्ज शिकायत की जांच करने पहुंची थी। इसी दौरान शिकायतकर्ता और उसके परिवार ने पुलिस टीम पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में एक एएसआई आरक्षक और पुलिस वाहन का प्राइवेट ड्राइवर घायल हो गया। मायापुर थाने में पदस्थ एक आरक्षक के पीठ में कुल्हाड़ी लगी है वहीं एएसआई की ऊंगली और प्राइवेट ड्राइवर के साथ डंडों से मारपीट की गई। सूचना मिलते ही पिछोर एसडीओपी प्रशांत

शर्मा मायापुर थाने पहुंचे हैं।पिछोर एसडीओपी शर्मा ने बताया कि वह पूरे मामले की जानकारी ली जिस पर पुलिस पर हमला करने वाले पांच नामजद व्यक्तिय और तीन अज्ञातो पर हत्या का प्रयास और शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धारायो में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं वहीं घायल आरक्षक एएसआई और ड्राइवर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है

शिवपुरी पुलिस अधीक्षक ने किया नामचीन अपराधियों पर किया दस दस हजार के इनाम घोषित

हाल ही में भी दिया था वारदात को अंजाम

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी शहर की घनी और आवादी बाली बस्तियों में आज कल जायद तर फायरिंग करने की सूचना मिल रही हैं कहि कोई बदले की भाभना को लेकर फायरिंग के रहा हैं तो कोई शादियों में रोव दिखाने के लिए इायरिंग कर रहा हैं जिसका खामियाजा बेकसूर लोगो को भोगना पड़ता हैं हाल ही एक नवाव साहब रोड पर रात्रि के वक्त फायरिंग करने बाले अपराधियों पर आज शिवपुरी पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपियो दस दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया हैं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी ने बताया कि तीनो आरोपियो पर लगभग दो दर्जन केश दर्ज हैं जिसमे आरोपी प्रभात रावत पुत्र स्वं. करन सिंह रावत निवासी सिंहनिवास के नाम पर दस केश थाना कोतवाली जिला शिवपुरी मैं दर्ज हैं आरोपी प्रकट रावत पुत्र स्वं करन सिंह रावत निवासी सिंहनिवास के नाम पर 6 मामले थाना कोतवाली जिला शिवपुरी मै दर्ज हैं साथ ही आरोपी प्रमोद रावत पुत्र स्वं. करन सिंह रावत निवासी सिंहनिवास पर भी चार मामले थाना कोतवाली जिला शिवपुरी मैं दर्ज हैं जिसको देखते हुए इन तीनो अपराधियो पर दस दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया हैं जो कि पुलिस को सूचना देने बाले व्यक्ति को दिया जाएगा ।

पीएम विश्वकर्मा योजना के संबंध में किया गया कार्यशाला का आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पीएम विश्वकर्मा योजना के संबंध में आज मंगलवार को जनपद पंचायत शिवपुरी के सभागार में आयोजित कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि विभिन्न समाजों के शिल्पीकार विश्वकर्मा योजना का लाभ ले सकते हैं। साथ ही योजना अतंगत अधिक से अधिक पंजीयन कराने हेतु कहा गया।इस अवसर पर उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कारीगरों का पंजीयन कर उनके हुनर को ब?ावा देना है। कार्यशाला में एमएसएमई- विकास कार्यालय इंदौर एमएसएमई मंत्रालय भारतसरकार की ओर से उपस्थित अनुज्ञा हण्डू (बरिष्ठ सांखियकीय अधिकारी) दवारा अवगत कराया गया कि योजना में 18 प्रकार की ट्रेडस के शिल्पयों का पंजीयन किया जा रहा

है। पारंपरिक व्यवसाय के लिए शासन द्वारा 15,000 रुपये की किट प्रदान की जाएगी। साथ ही शिक्षण दिया जाएगा जिसमें 500 रुपये प्रतिदिन स्टायफंड के साथ सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रारंभिक तौर पर एक लाख रुपये तथा उसके पश्चात दो लाख रुपये का ऋण बैंको के माध्यम से पाँच प्रतिशत ब्याज दर से उपलब्ध कराया जाएगा।श्रीमती हण्डू दवारा पंजीकरण प्रक्रिया पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के जरिये ना केवल स्कीम के विषय पर जागरूकता प्रदान की गई अपितु पंजीकरण में विभिन्न स्तरों पर आ रही समस्याओं का निराकरण एमएसएमई विकास कार्यालय से पधारे कार्यालय प्रमुख डी.डी. गरजभिये (संयुक्त निदेशक) द्वारा किया गया। महाप्रबंधक उद्योग विभाग संदीप उईके द्वारा योजना के क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान चार शिल्पियों को पी.एम. विश्वकर्मा सर्टिफिकेट एवं आई.डी.कार्ड भी मुख्य अतिथियों द्वारा प्रदान किये गये। कार्यशाला में सीएससी के जिला प्रबंधक उमेश शर्मा, उद्योग विभाग के प्रबंधक अजय तिवारी एवं सहायक प्रबंधक भावेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

एसडीएम समाधिया द्वारा मनपुरा संस्था की 02 दुकानों पर कठोर कार्यवाही करते हुऐ निलंवित किया

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर, के अंतर्गत मनपुरा संस्था के अंतर्गत आने बाली उचित मूल्य दुकान ग्राम केडर से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी ।जिसको देखते हुए 9 फरवरी को पिछोर एसडीएम राजीव समाधिया द्वारा तत्काल नायब तहसीलदार भौंती को जांच करने भेजा गया जिसमे नायब तहसीलदार द्वारा जांच प्रतिवेदिन प्रस्तुत किया गया कि दुकान पर विक्रेता प्रबंधक अमरसिंह द्वारा कुछ परिवारों को माह दिसंबर , जनवरी का राशन वितरण नही करते हुए मात्र फरबरी माह का राशन वितरण किया गया साथ ही दुकान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी मौके पर प्रस्तुत नही किए गए ।बही स्टॉक का मिलान भी नही पाये जाने के कारण शासकीय उचित मूल्य की दुकान केडर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर वनोपज संस्था मनपुरा से हटाकर बदरवास संस्था को सोपा गया है । बही नोटिस का जवाब संतुष्टीपूर्ण नही दिए जाने पर कठोर कार्यवाही की जा रही है । दूसरी तरफ एक और खेरवास की दुकान की भी लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी जो बनोपाज संस्था मनपुरा द्वारा संचालित थी उस पर भी कार्यवाही करते हुए संस्था से निलंबित कर संचालन सेवा सहकारी संस्था पिछोर को सौप दिया गया है । जिन दुकानों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही है उन सभी पर कठोर कार्यवाही की जा रही है । दुकानों की जांच तहसीलदार ,नायब तहसीलदार से करवाई जा रही है । बही कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को भी कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है यदि कोई भी अनियमितता पाई जाती है तो बर्दास्त नही की जावेगी। इसके साथ साथ ही एसडीएम द्वारा एक एक दुकान की समीक्षा की जा रही है । जिसकी प्रतिमाह समीक्षा बैठक भी होगी।बही आईसीडीएस वितरण पर भी विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए है ।

संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में हनुमान व्यायामशाला गेहूंखेड़ी ने जीते चार मेडल, लखन सैनी पहुंचे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की सेमीफाइनल में

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण, क्रीड़ा भारती मध्य भारत प्रांत,खेल एवं युवक कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन और जिला कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वाधान में प्रतियोगिता का आयोजन हनुमान व्यायाम शाला गेहूं खेड़ी है मध्य प्रदेश के पहलवानों की नर्सरीखेल युवक कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग और शासन अधिकारी और जिम्मेदारनिर्वाचित जनप्रतिनिधि लोग नहीं देते हैं ध्यान।ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा दिनांक 16 फरवरी से 22 फरवरी 2024 तक अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। विगत दिवस संभाग स्तरीय कुश्ती मुकाबले बहुत रोमांचक स्थिति में समाप्त हुए, माध्यम से ग्वालियर में दिनांक16 फरवरी से 22 फरवरी 2023 तक चलने वाली राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता मैं ग्वालियर संभाग की संभागीय स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मैं अतिथि के रूप में दीपक संचेती प्रांताध्यक्ष क्रीड़ा भारती, रानी राणा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में श्री हनुमान व्यायाम शाला गेहूं खेड़ी,विकासखंड चाचौड़ा जिला गुनाके चार खिलाड़ियों ने मेडल जीते उनमें से-लखन सैनी चांचौडा -गेहूं खेड़ी ने 57 किलो वर्ग में ग्वालियर संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ग्वालियर के शिवम पहलवान छोड़कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में प्रवेश किया।-70 किलोग्राम वर्ग में जगदीश कुशवाह गेहूं खेड़ी में प्रथम स्थान, -61 किलोग्राम वर्ग में लखन कुशवाहा गेहूं खेड़ी तीसरे स्थान पर रहेऔर -79 किलोग्राम वर्ग में करण सिंह कुशवाहा तीसरे स्थान पर रहे। विगत वर्ष शिवपुरी में आयजित राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता 70 किलोग्राम वर्ग में जगदीश कुशवाहा राष्ट्रीय उपविजेता रहे थे।करण सिंह कुशवाहा, राष्ट्रीय खिलाड़ी कुश्ती गेहूं खेड़ी ने बताया कि एक बार सार्वजनिक कार्यक्रम में आप तिवारी पूर्व आईपीएस ऑफिसर और सचिव मध्य प्रदेश राज्य कुश्ती संघ ने कहा था कि गेहूं खेड़ी मध्य प्रदेश के पहलवानों की नर्सरी है शासन और खेल प्रेमियों को इस नर्सरी की ओर ध्यान देना चाहिए। मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित की जा रही प्रतियोगिता मैं गेहूं खेड़ी के खिलाड़ियों का सफलता प्राप्त होने पर गोकल सिंह कुशवाह प्रबंध संचालक श्री हनुमान व्यायाम शाला गेहूंखेड़ी, मनोज शिवहरे

डायरेक्टर इंटरनेशनल कान्वेंट स्कूल, केपी सिंह राठौड़ ब्लॉक समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद,वंदना व्यास राष्ट्रीय खिलाड़ी,श्रीमती प्रकाश बाई-सुरेश मीणा अध्यक्ष जनपद पंचायत चांचौडा, पवन भी सदस्य जिला पंचायत गुना,परी व्यास कबड्डी स्टेट प्लेयर, विष्णु शाक्य,अध्यक्ष नगर विकास प्रस्फुटन समिति बीनागंज मैं इस सफलता पर बधाई दी है।सन 1980 में श्री हनुमान व्यायामशाला गेहूंखड़ी की आधारशिला ग्राम के ग्राम वासियों ने मिलकर की थी और कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन करते थे मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग शिक्षा विभाग और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने नहीं जा पाते हैं, यह व्यायाम शाला राज्य स्तर पर पहलवानों की नर्सरी के नाम से जाना जाता है। विगत वर्ष बालिका कुश्ती पहलवान का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने के लिए चयन हुआ था लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उसे खेलने नहीं भेजा गया।

गोकुल सिंह कुशवाह
प्रबंध संचालक
श्री हनुमान व्यायाम शाला गेहूंखेड़ी
ब्लाक चांचौड़ा जिला-गुना

श्री हनुमान व्यायाम शाला गेहूं खेड़ी के विजेता सभी खिलाड़ियों को और व्यायाम शाला के प्रबंध संचालक श्री गोकुल सिंह कुशवाहा को बहुत-बहुत शुभकामानाएं देता हूं, मुझे आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि यह खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर छोटे से गांव का रोशन करेंगे, खेल विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा के कारण यहां के पहलवान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं खेल पाते हैं

वंदना व्यास
नेशनल प्लेयर, एवं मैनेजिंग डायरेक्टर
शक्ति फिटनेस क्लब (जिम)
बीनागंज

21 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा देगा सांसद को ज्ञापन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-संयुक्त किसान मोर्चा की और से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने 21 फरवरी को देश भर में सांसदो के घरों पर प्रदर्शन करके ज्ञापन देने का एलान किया है। ग्वालियर में 21 फरवरी को सुबह 10 बजे नई सड़क स्थित किसान सभा कार्यालय से जुलूस निकालकर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर के नई सड़क स्थित आवास पर जाकर ज्ञापन देने का तय किया है । संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से तलविंदर सिंह,अशोक पाठक,पी पी शर्मा, भगवान सिंह गुर्जर, रणवीर सिंह यादव,राय सिंह, विनोद रावत, धर्मेन्द्र कुशवाह, पुरन सिंह राणा आदि ने सभी किसान भाईयो से होने वाले प्रदर्शन मे शामिल होने की अपील की है।

सरकार द्वारा एससी वर्ग के युवाओं के लिए महत्वकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है

आमोलपठा सीनियर कन्या छात्रावास में योजनाओं से बंचित नहीं रहे छात्राएँ

आमोलपठा
पुष्पांजलि टुडे सतीश परिहार करेरा

भारतीय जनता पार्टी द्वारा अनुसूचित जाति युवा संवाद तथा छात्रवास जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अनुसूचित जाति के युवाओं से संवाद किया जा रहा है और उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति वर्ग के लिए महत्वकांक्षी योजनाओं के बारे बताया जा रहा है। यह अभियान कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य और प्रदेश अध्यक्ष डॉ कैलाश जाटव के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष वीर सिंह सागर जी के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुसूचित जाति आमोलपठा सीनियर कन्या छात्रावास में एससी वर्ग के युवाओं से संवाद किया। वहीं आमोलपठा कन्या छात्रावास में भारतीय जनत पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला महामंत्री मलखान सिह परिहार ने योजना के बारे में जानकारी दी। सरकार द्वारा एससी वर्ग के लिए महत्वकांक्षी योजनाए चलाई जा रही है उनका आप सभी युवा लाभ ले समाजिक कार्यों में बढ- चढकर हिस्सा लेना चाहिए आमोलपठा सीनियर कन्या छात्रावास में उपस्थित भारतीय जनत पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला महामंत्री मलखान सिह परिहार, राजकुमारी जैन अधीक्षका रमेश साहू , राजकुमार झा, रमेश परिहार, बालकिशन जाटब, एवं समस्त नागरिक उपस्थित रहे।

नरसिंह भगवान मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का तीसरे दिन ,वैदिक मंत्रों से गूंजा भगवान नरसिंह मंदिर

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली/भगवान नरसिंह के भव्य मंदिर नरसिंहपुरा में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा-महोत्सव के तहत मंदिर के गर्भ ग्रह सहित यज्ञशाला में यजमानों ने आहुतियां दी। कार्याध्यक्ष भंवरलाल भायल ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस मंगलवार को भगवान नरसिंह के नवनिर्मित मंदिर के गर्भ ग्रह में वास्तु हवन और हवनशाला में देवी देवताओं का आह्वान करते हुए आचार्य मीठालाल महाराज के सानिध्य में पंडित विष्णु प्रकाश के आध्यात्मिक मंत्रोंउच्चारण के साथ

हवन कि प्रथम पारी संपन्न हुई।जो लगातार पांच दिवस तक अलग-अलग जोड़ों के साथ होंगे। आयोजित हवन के लिए बोलियां बोलने वाले श्रद्धालुओं ने अपनी धर्मपत्नी के साथ हवन में आहुतियां दी। भंवरलाल भायल ने जानकारी दी कि हर दिन कि तरह मंगलवार को रात्रि में भी भजन संध्या व बोलियों के कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्याम पालीवाल एंड पार्टी बालोतरा गुंजन म्यूजिकल ग्रुप अपनी प्रस्तुतियां देंगे। बोलियों के कार्यक्रम का मंच संचालन शैतान सिंह राजपुरोहित द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नरसिंहपुरा गांव के 36 कौम के ग्रामीणों के सहयोग से प्रत्येक दिन के कार्य बेहतरीन तरीके से संपन्न हो रहे हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष दुर्गाराम भायल, कार्याध्यक्ष भंवरलाल भायल, उपाध्यक्ष धनाराम भायल, सचिव चंदाराम भायल सह सचिव सेसाराम भायल, कोषाध्यक्ष डायाराम भायल, सह कोषाध्यक्ष सोहनलाल भायल एवं यज्ञशाला के साक्षी पंडित मीठालाल व्यास, पंडित विष्णु प्रकाश एवं राज्य के विविध क्षेत्रों सहित बड़ी संख्या से आए प्रवासी भक्तों ने हिस्सा लेकर धर्मलाभ लिया।

क्या आप जानते हैं मेनोपॉज का महिलाओं के शरीर पर पड़ता है क्या असर लक्षणों से निपटने के लिए अपनाएं ये टिप्स

मेनोपॉज का मतलब है मासिक धर्म की समाप्ति। मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को पीरियड्स आने बंद हो जाते हैं। बहुत कम महिलाओं को पता होता है कि मेनोपॉज के 3 फेज होते हैं- प्री-मेनोपॉज, मेनोपॉज और पोस्ट-मेनोपॉज। बता दें, महिलाएं 37 से 38 की उम्र में प्री-मेनोपॉज के लक्षणों को महसूस कर सकती हैं। लेकिन हर महिला के लिए इसकी उम्र अलग हो सकती है।कब होता है मेनोपॉज मेनोपॉज तब होता है, जब महिलाओं के शरीर में अंडाशय और अंडों की संख्या कम होने लगती है। साथ ही, शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का उत्पादन भी कम होता है। ऐसे में महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतों जैसे तनाव, चिंता, डिप्रेशन, मूड स्विंग और एंग्जाइटी आदि से जूझना पड़ता है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि मेनोपॉज में महिलाएं शारीरिक रूप से प्रभावित नहीं होती है। इसकी वजह से उन्हें कई तरह की शारीरिक दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है। आइए मेनोवेदा की मेनोपॉज कोच और फाउंडर तम्मना सिंह से जानते हैं कि मेनोपॉज का महिलाओं की मानसिक और शारीरिक सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है।मेनोपॉज का महिलाओं के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव-हॉट फ्लैशेस-हॉट फ्लैशेस मेनोपॉज का एक सबसे आम लक्षण होता है। इसमें महिलाओं के शरीर में अचानक से तापमान बढ़ जाता है। इसकी वजह से महिलाओं को त्वचा पर दाने निकल सकते हैं और शरीर में गर्माहट महसूस हो सकती है। रात में पसीना आना-मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को पसीना आने जैसे लक्षण का भी अनुभव हो सकता है। खासकर, रात के समय ज्यादा पसीना आता है। इसकी वजह से महिलाओं की नींद भी प्रभावित हो सकती है।वजन बढ़ना मेनोपॉज के दौरान महिलाओं का वजन भी तेजी से बढ़ने लगता है। दरअसल, इस अवस्था में महिलाओं का मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है। साथ ही, उनके शरीर में हार्मोनल बदलाव भी होते हैं। ऐसे में महिलाओं को वेट गेन से परेशान होना पड़ता है। खासकर, पेट के आस पास के क्षेत्र पर चर्बी जमा होने लगती है।ऑस्टियोपोरोसिस मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है। साथ ही, मेनोपॉज अधिक उम्र में होता है। इसकी वजह से उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में महिलाओं को ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षणों का अनुभव हो सकता है।मेनोपॉज में होने वाली समस्याओं को कैसे मैनेज करें-मेनोपॉज में महिलाओं को तनाव से जूझना पड़ता है। इस अवस्था में वे डिप्रेशन और एंग्जाइटी का शिकार होने लगती हैं।

करने जा रहे हैं तो रखें इन बातों का ध्यान, एक्सपर्ट से जानें रक्तदान से पहले और बाद में कैसा हो आहार

डॉ. रश्मी सूद, इम्यूनोहेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल गुरुग्राम के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष 15 मिलियन यूनिट्स रक्त की जरुरत पड़ती है। हर रोज देश में 12,000 लोग खून की कमी के कारण अपनी जान गवां देते हैं। इसी से पता चलता है की जरूरतमंद व्यक्ति के लिए खून कितना आवश्यकता है। खून की जरूरत विशेष रूप से थैलेसीमिक बच्चों, किडनी रोगी, गर्भवती महिलाओं एवं कैंसर रोगियों को पड़ती है।डॉ. रश्मी के अनुसार, रक्त दान को लेकर लोगों के मन में एक भ्रम बना हुआ है कि खून देने से शरीर में कमजोरी आ जाती है, जो कि गलत है। बता दें, खून देने से शरीर में खून की कमी नहीं होती क्योंकि इंसान के शरीर में रक्त पहले से ही अच्छी मात्रा में होता है। इसके अलावा व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना जरूरी है की वो पौष्टिक आहार खाएं और एक बैलेंस्ड डाइट को फॉलो करें। रक्त देने से पहले और बाद में अपने आहार पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। एक अच्छी तरह से संतुलित और पौष्टिक आहार का पालन करके, आप अपने ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, खोए हुए पोषक तत्वों की भरपाई कर सकते हैं और अपने शरीर की उपचार प्रक्रिया का समर्थन कर सकते हैं।चार चीजों से मिलकर बनता है रक्त लाल सेल, सफेद सेल, प्लेटलेट्स और लिक्विड पार्ट यानी की प्लाज्मा। डॉ. रश्मी रक्त दान करने से पहले और बाद में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थ के बारे में बताती हुए कहती है की एक सफल दान के लिए अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। अत्यधिक कैफीन और शराब के सेवन से बचें क्योंकि ये आपके शरीर को डिहाइड्रेट कर सकते हैं। बॉडी में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए करें इन चीजों का सेवन-आयरन रक्त में हीमोग्लोबिन बनाने के काम आता है, सबसे जरूरी है की हीमोग्लोबिन की मात्रा 12.5 ग्राम पर डेसीलीटर से अधिक होगी, तब ही हम एक रक्त दाता बन सकते हैं। सबसे पहले यह बात सुनिश्चित करें कि नियमित रूप से आयरन का सेवन करें क्योंकि हीमोग्लोबिन ने ही फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों तक लेकर जाना होता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए विटामिन सी भी मदद कर सकता है। बता दें, विटामिन बी खासकर के विटामिन बी 12 और फोलिक भी लाल सेल को बढ़ाते हैं। आयरन पत्तेदार सब्जियां, चुकुन्दर, सेब, अनार, तरबूज, केला, जामुन,अंजीर जैसे फल, और अंकुरित आहार, बादाम, अखरोट, तुलसी, गुड़, मूंगफली, तिल, सूखी किशमिश, पिस्ता आदि में पाया जाता है। विटामिन सी आयरन के अवशोषण को आसान बनाता है। विटामिन सी खट्टे फल, कीवी,आम, पपीता, संतरा, स्ट्रॉबेरी, टमाटर, ब्लूबेरी के सेवन से बढ़ सकता है।फोलिक रिच फूड-फोलिक रिच फूड लाल रक्त की कोशिकाओं को बढ़ाने का काम करते हैं, इसके लिए पत्तेदार साग,और संतरे का रस आदि लेना चाहिए। राइबोफ्लेविन या विटामिन बी 2 भी लाल रक्त की कोशिकाओं को बनाने में इस्तेमाल होते हैं। दूध, दही आदि डेरी प्रोडक्ट्स का सेवन करने से ये बढ़ते हैं। विटामिन बी शरीर में रुकता नहीं इसलिए इसका नियमित सेवन करना जरूरी होता है।पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं-पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। प्लाज्मा में 50 प्रतिशत हिस्सा पानी का होता है, इसके लिए रक्त दान से पहले और बाद में अच्छी मात्रा में पानी पिएं। रक्त दान से पहले दो कप ज्यादा पानी और रक्त दान के बाद छह कप ज्यादा पानी रुक रुक कर दिन भर में पिएं। इसके अलावा संतरे का जूस भी पिया जा सकता है।रक्तदान करते समय इन बातों का रखें खास ख्याल-डॉ. रश्मी बताती हैं कि रक्तदान के लिए निरंतर अच्छा खाना खाने और पानी पीने के अलावा इन चीजों का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। भोजन करने के तुरंत बाद रक्त दान नहीं करना चाहिए। खाना खाने के चार घंटे के भीतर रक्त दान करना सही है।-रात को 6-7 घंटे की भरपूर नींद लेनी चाहिए।-धूम्रपान या नशे की स्थिति में रक्त दान नहीं करना चाहिए।रक्तदान करते समय न करें ये गलतियांडॉ. रश्मी बताती है कि धूम्रपान करने के बाद कम से कम चार घंटे रुककर रक्त दान किया जा सकता है। रक्त दान से कम से कम 24 घंटे पहले से अल्कोहल का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। अल्कोहल का नियमित सेवन करने वाले व्यक्ति को रक्तदान नहीं करना चाहिए।

क्या रक्त दान करने से शरीर का इम्यूनिटी सिस्टम खराब हो जाता ह

दुनियाभर में 14 जून को वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया जाता है। इस इवेंट की शुरुआत वर्ल्ड हेल्थ असेंबली ने साल 2005 में की थी। जिसका उद्देश्य उन वालंटियर ब्लड डोनर को थैंक्स कहने और सेलिब्रेट करने का था। जो अक्सर अपने रक्त को दान देते रहते हैं। ब्लड डोनेशन जिंदगी बचाने का सबसे अच्छा जरिया और इससे जरूरतमंदों के लिए ब्लड सप्लाई भी बनी रहती है। आंकड़ों के मुताबिक हर दो सेकेंड में एक व्यक्ति को ब्लड चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। जिससे वो कई सारी खतरनाक और जानलेवा बीमारी से

जन्म देने वाली महिला और सर्जरी के लिए समय पर खून मिलने से उनकी जान बच जाती है।जरूरी है ब्लड डोनेशनरक्तदान करना एक बार में ही काफी सारे लोगों की जान बचा सकता है। लेकिन खून देने के मामले में काफी सारे मिथ और अफवाहें रहती है। जिसकी वजह से अक्सर लोग ब्लड डोनेट करने से घबराते हैं।ब्लड डोनेशन को लेकर अफवाहेंब्लड डोनेशन यानी रक्तदान करने को लेकर लोगों के बीच काफी सारे मिथ और अफवाहें रहती है। उन्हें लगता है कि ब्लड डोनेट करने के बाद उनके शरीर में कमजोरी, इम्यूनिटी लेवल का कम होना, किसी भी तरह का इंफेक्शन तेजी से फैलता है। क्या कहते हैं एक्सपर्टएक्सपर्ट का मानना है कि ब्लड डोनेट करने से इम्यूनिटी लेवल के कम हो जाने का कोई कारण नहीं होता। बस जब हम ब्लड को डोनेट करते है तो शरीर में रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती है। जो कि टेंपरेरी होती है और कुछ दिनों के खानपान के बाद सही हो जाती है। ब्लड डोनेट करने से कमजोरी आती हैबहुत सारे लोगों को लगता है कि ब्लड डोनेट करने से शरीर में कमजोरी आने लगती है। लेकिन एक्सपर्ट डाक्टरों का कहना है कि ब्लड डोनेट करने के लिए तभी लिया जाता है जब शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल 12.5 या उससे ज्यादा होता है। वहीं एक यूनिट ब्लड डोनेट करने से केवल एक ग्राम

हाई बीपी से परेशान लोग ऐसे करें नींबू का इस्तेमालतुरंत कंट्रोल होगा ब्लड प्रेशर

साइलेंट किलर नाम से मशहूर हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन और उच्च रक्तचाप के नाम से भी जाना जाता है। यह एक गंभीर रोग है जो व्यक्ति के हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे के साथ अन्य अंगो को भी नुकसान पहुंचा सकता है। बता दें, हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा स्ट्रेस लेने, फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा या कम करने से, खान-पान की खराब आदतों की वजह से अचानक बढ़ सकता है। जिसे कंट्रोल करने के लिए नींबू के इन 3 तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। बता दें, नींबू एक सिट्रस फ्रूट है, जिसका सेवन करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन ठीक होता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन सी में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जिससे हाइपरटेंशन की समस्या दूर होती है। आइए जानते हैं कैसे नींबू के इन 3 तरीकों को इस्तेमाल करके आप हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल कर सकते हैं।हाई बीपी के लक्षण-छाती में दर्द, चक्कर आना, चेहरा लाल होना, सांस लेने में मुश्किल, कमजोरी, धुंधली नजरें, पेशाब में खून आना, थकान, टेंशन, दिल की धड़कन में गड़बड़ी, सिरदर्द, नाक से खून आना।बीपी हाई होने के कारण बीपी हाई होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे- फैमली हिस्ट्री, जेनेटिक, उम्र और सबसे बड़ा कारण खराब जीवनशैली। हाई बीपी के जोखिम-हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हार्ट अटैक, एन्यूरिज्म, हार्ट फेलियर, किडनी की बिमारी, आंखों से संबंधित समस्याएं, मेटाबोलिक सिंड्रोम, मेमोरी लॉस, डिमेंशिया, जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।हाई बीपी को कंट्रोल करने के उपाय-नींबू का शरबत-बीपी कंट्रोल करने के लिए नींबू का शरबत बनाकर पिएं। इसके लिए एक गि?लास ठंडे पानी में सेंधा नमक और एक बड़ा च?मच नींबू का रस डालें। आपका नींबू का शरबत बनकर तैयार है। नींबू का शरबत पीने से हाई बीपी को कंट्रोल कि?या जा सकता है। नींबू और दालचीनी दालचीनी और नींबू का सेवन करने से भी बीपी कंट्रोल करने में मदद मि?लती है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जिससे बीपी कंट्रोल करने में मदद मिलती है। दालचीनी पाउडर को नींबू के रस में मिलाकर उसका पेस्ट तैयार करके उसे गुनगुने पानी के साथ लें नींबू और काली मिर्च बीपी को तुरंत कंट्रोल करने के लिए आधा गिलास पानी में काली मिर्च का ताजा पाउडर और नींबू का रस मिलाकर हर आधे घंटे में पि?एं। इस उपाय को करने से बीपी धीरे-धीरे कंट्रोल हो जाएगा। काली मिर्च में पाया जाने वाला पाइपराइन बीपी कंट्रोल करने में मदद करता है।

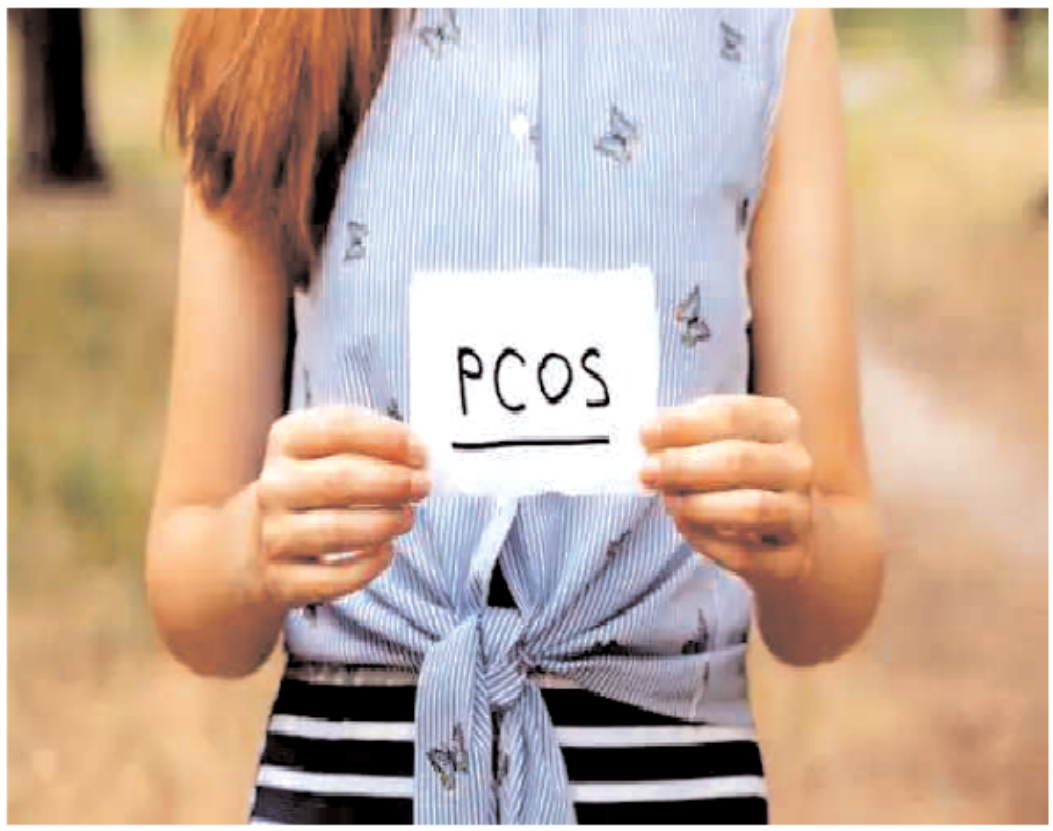

इन 6 लक्षणों से समझें आपको है पीसीओएस की समस्या बॉडी में हो रही हार्मोंस की गड़बड़ी

पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम एक तरह की हार्मोंस की बीमारी है। जिसमे ओवरीज में एग्स ठीक तरह से रिलीज नहीं होते। साथ ही इररेगुलर पीरियड्स और दूसरी कई सारी परेशानियां होने लगती है। पीसीओएस की समस्या होने पर कई बार पीरियड्स पर असर नहीं पड़ता और वो रेगुलर रहते हैं। लेकिन ये सारे लक्षण बता देते हैं कि बॉडी में हार्मोंस का स्त्राव ठीक तरीके से नहीं हो रहा। इन 6 लक्षणों से समझें कि शरीर में हार्मोंस की गड़बड़ी हो गई है। जिसकी वजह से पीसीओएस हो गया है। जल्दी-जल्दी भूख लगनापीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोंस ठीक तरीके से नहीं बनते है। जिसकी वजह से खाना खाने के बाद भी जल्दी से भूख लग जाती है। और आप के खाने की फ्रीक्वेंसी बढ़ जाती है। जिसकी वजह से पीसीओएस में शरीर का वजन तेजी से बढ़ता है। क्रेविंग्सबहुत ज्यादा मीठा, तीखा या जंकफूड खाने की क्रेविंग होती है। और ये क्रेविंग बिना खाए नहीं जाती। अगर आपके शरीर में इस तरह के लक्षण दिख रहे हैं तो समझ जाएं कि हार्मोंस की गड़बड़ी से पीसीओएस की समस्या हो रही है। सुबह भूख ना लगनारात को खाना खाने के घंटो बाद सुबह के वक्त जल्दी से भूख लगना नेच्युरल है। इसीलिए हेल्दी ब्रेकफास्ट मॉर्निंग में करने का रूल बताया गया है। लेकिन अगर आपको सुबह के वक्त भूख का एहसास नहीं हो रहा तो ये हार्मोंस की गड़बड़ी की निशानी है। जिससे पीसीओएस का खतरा रहता है। मूड स्विंगबात-बात पर चिड़चिड़ापन महसूस हो रहा और रोना आ रहा यानी की मूड बदल रहा है तो ये हार्मोंस की गड़बड़ी की निशानी है। जिसकी वजह से पीसीओएस होने का खतरा रहता है। बालों का झड़नाहेयर फॉल बहुत ज्यादा हो रहा है और तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं रुक रहा तो इसका मतलब कि आपको पीसीओएस की समस्या है।

रोजाना सौ से अधिक मरीजों का दर्द बढ़ा रही खराब मशीन

ग्वालियर. । जयारोग्य अस्पताल में मशीनों का मेंटेनेंस करने वाली कंपनी की बेपरवाही रोजाना सौ से अधिक मरीजों का दर्द बढ़ा रही है। मेंटेनेंस को लेकर बरती जा रही लापरवाही के चलते न केवल मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है बल्कि जांच के लिए दोगुने पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। सीटी स्कैन मशीन जहां पिछले 15 दिन से खराब पड़ी है वहीं ट्रामा सेंटर की एक्सरे मशीन का कैसेट रीडर अपनी सांसें गिन रहा है। बावजूद इसके मेंटनेंस कंपनी के जिम्मेदार इनको दुरुरत कराने को लेकर गंभीर नहीं है।ट्रामा सेंटर में एक्सरे जांच कभी भी ठप हो जाती है। जिससे जांच के लिए मरीजों को एक हजार बिस्तर अस्पताल भेजना पड़ता है। दरअसल में मरीजों का दर्द सीटी स्कैन मशीन सप्लाई करने वाली फर्म सीमेंस व मेंटीनेंस के लिए जिम्मेदार फर्म हाइट्स ने बढ़ा रखा है। सीटी मशीन का पार्ट विदेश से आना था, लेकिन मशीन सप्लाई

करने वाली सीमेंस कंपनी का भुगतान नहीं होने के कारण कंपनी ने पार्ट रोक दिया। इस कारण मशीन दुरुस्त नहीं हो सकी और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे न केवल जेएएच के ट्रामा सेंटर में आने वाले गंभीर मरीज बल्कि भर्ती मरीजों को जांच के लिए निजी सेंटर जाना पड़ रहा है।

सीटी स्कैन मशीन खराब होने से रोजाना सौ से अधिक मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दर्द से कराहते मरीजों को स्वजन निजी वाहन से जांच के लिए निजी सेंटर पा ले जा रहे हैं। इधर एक्सरे मशीन का कैसेट रीडर खराब होने पर एक हजार बिस्तर अस्पताल में एक्सरे जांच की परेड मरीजों को करनी पड़ती है। लेकिन अस्पताल प्रबंधन से लेकर मेंटेनेंस करने वाली कंपनी के जिम्मेदारों को मरीजों का दर्द नहीं दिख रहा है।

यह बोले कंपनी के जिम्मेदार- सीटी स्कैन मशीन की समस्या का निराकरण कर लिया गया है। मशीन सप्लाई करने वाली फर्म ने पार्ट डिलेवर कर दिया है। इंजीनियर मंगलवार को ग्वालियर पहुंच जाएगा और पार्ट उपलब्ध होते ही मशीन को ठीक कर दिया जाएगा।

संदीप तिवारी, हाइट्स कंपनी

आपसी लेनदेन को लेकर युवक को मारी गोली, ग्वालियर रेफर

ग्वालियर. । डबरा थाना क्षेत्र के तहत आपसी लेनदेन के विवाद में आधा दर्जन से अधिक आरोपितों ने एक व्यक्ति पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपित मौके भाग निकले। घायल को डबरा से ग्वालियर रैफर किया गया है।घटनाक्रम के मुताबिक डबरा की मेधोर कालोनी में रहने वाले सत्यम रावत का लेनदेन को लेकर विवाद कुछ लोगों से चल रहा था। मंगलवार जब वह डबरा की दीदार कालोनी से गुजर रहा था तो उस पर करीब आधा दर्जन लोगों ने हमला कर दिया और फायरिंग कर दी। गोली सत्यम के पैर में लगी। उसे तुरंत डबरा अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उसकी हालत को देखते हुए ग्वालियर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौर पर पहुंचीं। लेकिन आरोपित भाग चुके थे। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

न्याय यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए दिग्विजय शाम को आएंगे

ग्वालियर, कमल नाथ के परिवार सहित भाजपा में शामिल होने के खराब पर विराम लगने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए नये सिरे से सक्रिय हो गये हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मंगलवार को गुना में कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद दोपहर तीन बजे तक शिवपुरी पहुंचेंगे। शिवपुरी में राहुल गांधी की न्याय यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद ग्वालियर के लिए सड़क मार्ग से रवाना होंगे। दिग्विजय सिंह यहां सात बजे के लगभग पहुंचेंगे।कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा दो मार्च को मुरैना जिले से नगर में प्रवास करेगी। न्याय यात्रा की रात्रि विश्राम भी नगर में होगा। दूसरे दिन न्याय यात्रा शिवपुरी के लिए रवाना होगी। न्याय यात्रा के कार्यक्रम व तैयारियों पर स्थानीय चर्चा करने के लिए दिग्विजय सिंह आज रात सात के लगभग पहुंचेंगे। होटल सेंट्रल पार्क में स्थानीय नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके साथ ही लोकसभा के टिकट के दावेदार भी दिग्विजय सिंह मुलाकात करेंगे।

दस से उन्नीस साल के किशोरों की उलझन सुलझाएगी किशोर क्लीनिक

ग्वालियर. । दस से उन्नीस साल के किशोर-किशोरियों की उलझन किशोर क्लीनिक में सुलझाएगी। इस अवस्था में होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलावों के प्रति किशोर-किशोरियों को जागरूक करने का काम यहां किया जाएगा। उन्हें शरीर में होने वाले बदलाव को लेकर न घबराने की सलाह देने के साथ उनकी अपनी अन्य समस्याओं की काउंसलिंग भी की जाएगी। दस से उन्नीस वर्ष की अवस्था में शारीरिक एवं मानसिक बदलाव बहुत तेजी से होते हैं। किशोर-किशोरी मानसिक तथा व्यावहारिक रूप से परिपक्व होने लगते हैं। इस दौरान उनकी समस्याओं में विभिन्नता के साथ-साथ जोखिम भी अलग-अलग होते हैं। ऐसे में कमलाराजा अस्पताल के शुरू हुई किशोर क्लीनिक पर प्रत्येक शनिवार को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उनकी काउंसलिंग कर उपचार किया जाएगा।

बाल एवं शिशु रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अजय गौड़ ने बताया कि किशोरावस्था एक ऐसी अवस्था होती है जब किशोरों के मन में तमाम प्रकार के विचार आते हैं और ऐसे में उन विचारों को सही दिशा देना बहुत आवश्यक होता है। किशोरावस्था में व्यवहार संबंधी, मनो सामाजिक, शारीरिक एवं स्कूल संबंधी समस्याएं हो सकती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए किशोर क्लीनिक की शुरुआत की गई है। किशोर क्लिनिक में विभिन्न विभागों के विषय विशेषज्ञ मौजूद रहकर किशोरों की समस्या का समाधान करेंगे। प्रत्येक शनिवार को इस क्लीनिक पर समस्याओं के निदान के साथ उपचार किया जाएगा।

बाल एवं शिशु रोग, मनोरोग व प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के चिकित्सक संयुक्त रुप से इस क्लीनिक पर किशोर-किशोरियों की समस्याओं का समाधान करेंगे। यह विशेष क्लीनिक किशोर लड़कों और लड़कियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इस क्लीनिक में देखभाल की जाने वाली सामान्य समस्याओं में भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक मुद्दे, विकास और वृद्धि से संबंधित मुद्दे सहित अन्य संवेदनशील मामले, टीकाकरण और एंडोक्रिनोलाजी समस्याएं शामिल होंगी।

उलझन के सामने आ रहे मामले- ऐडोलेसेंट हेल्थ एकेडमी ग्वालियर की अध्यक्ष एवं बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ जेएएच डा. सुनीता के प्रसाद ने बताया कि किशोर-किशोरियों की विभिन्न समस्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। सप्ताह में इस तरह के दो मामले आ ही जाते हैं। तनाव के लक्षण के मामले भी किशोर अवस्था में देखने को मिल रहे हैं। किशोर क्लीनिक में पांच से छह केस उसी दिन आए जिस दिन हमने क्लीनिक की शुरूआत की। उनमें वजन बढ़ने के साथ अन्य समस्याएं थीं।

निगम की मदद के लिए स्मार्ट सिटी ने किए वाहन खरीद के टेंडर

ग्वालियर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर निगम की रैंकिंग में सुधार कराने और संसाधनों की कमी पूरी करने के लिए स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन ने बजट उपलब्ध कराने के बाद अब वाहन खरीद के टेंडर भी कर दिए हैं। कार्पोरेशन ने लगभग 6.35 करोड़ रुपए की लागत से फोर व्हील्ड ई-कार्ट टिपर, रिफ्यूज काम्पैक्टर, सीएनजी टिपर, हाइड्रोलिक एस्केवेटर क्रालर मशीन खरीद के टेंडर जारी कर दिए हैं। निगमायुक्त हर्ष सिंह ने मैदानी सर्वेक्षण शुरू होने से पहले इन वाहनों की खरीद के निर्देश दिए थे, ताकि समय रहते इनका उपयोग कर साफ-सफाई की स्थिति में सुधार लाया जा सके। इन वाहनों को वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले निगम में मंगाने की तैयारी की जा रही है। यही कारण है

कि मार्च माह के पहले सप्ताह में टेंडर खोलकर ठेके दे दिए जाएंगे।

दरअसल, वर्तमान में नगर निगम के पास 238 टिपर वाहन हैं। इसके अलावा 100 के आसपास सेकंडरी वेस्ट वाहन भी हैं, लेकिन शहर के बढ़ते दायरे के कारण ये संसाधन कम साबित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के छह वार्ड नगर निगम सीमा में शामिल होने के बाद ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व व दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चलने वाले टिपर वाहनों को ही इन इलाकों में भी भेजा जाता है। विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से भी इन टिपर वाहनों की संख्या कम ही है। ऐसे में नगर निगम के अधिकारियों ने नए वाहन खरीदने के प्रयास शुरू किए थे, ताकि पर्याप्त संख्या होने पर डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन ठीक से हो सके। इसके अलावा कचरा ठिए हटाने के लिए बड़े वाहनों का भी इंतजाम हो सके। इसी क्रम में स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के बजट से 50 करोड़ रुपए की राशि से वाहनों की खरीद का प्रस्ताव भोपाल भेजा गया था, लेकिन वहां से 30 करोड़ रुपए की कटौती कर सिर्फ 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इस आधार पर अब वाहन खरीद की प्रक्रिया की जा रही है।

इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की खरीद पर जोर- नगरीय प्रशासन विभाग का आदेश है कि अब निकायों में सिर्फ सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद ही की जाएगी। इस क्रम में स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन ने 2.87 करोड़ रुपए की लागत से 25 ई-टिपर, एक करोड़ 99 लाख 15 हजार 250 रुपए से 25 सीएनजी गार्बेज हापर टिपर, 89 लाख 38 हजार 656 रुपए से दो रिफ्यूज काम्पैक्टर और 60 लाख रुपए की लागत से हाइड्रोलिक एस्केवेटर क्रालर मशीन खरीद के टेंडर जारी कर दिए हैं

अरबों की जमीन पर कब्जा, 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण रूका

ग्वालियर. । प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी और बेपरवाही से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की अरबों की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। मामला 220 केव्ही सबस्टेशन सिथौली की लगभग 32 हेक्टेयर जमीन के एक बड़े हिस्से में अनाधिकृत लोगों द्वारा कब्जा किए जाने का है। कब्जे के चलते 400 केवी सबस्टेशन का निर्माण अटक गया है। ट्रांसमिशन कंपनी प्रशासनिक अफसरों को अतिक्रमण हटाने के लिए पत्राचार कर चुकी है, लेकिन अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई न होने से कब्जे बरकरार हैं। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण के चलते नेटवर्क का विस्तार करने में दिक्कत आ रही है।

मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल द्वारा 1990 में ग्वालियर शहर की उस समय और भविष्य में विद्युत पारेषण व्यवस्था मजबूत करने के लिए सिथौली, नागौर तुरारी के पास 32 हेक्टेयर निजी भूमि को भू-अर्जन अधिनियम के तहत अर्जित किया था। इसके लिए विद्युत मंडल द्वारा एक करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इसके बाद यहां 220 केवी सबस्टेशन

तैयार किया गया। साथ ही 400 केवी सबस्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित था। लेकिन सब स्टेशन निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती उससे पहले ही पावर ग्रिड ने अपना 400 केवी सब स्टेशन बनाकर उर्जीकृत कर लिया। जिससे मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को उस समय सब स्टेशन बनाने की जरूरत नहीं पड़ी। अब ग्वालियर शहर विस्तारित होने के कारण जरूरत महसूस हुई, लेकिन अब जमीन पर कब्जे हो गए।

कंपनी को प्रारंभिक सर्वे में मिला अतिक्रमण- 400 केवी सब स्टेशन निर्माण के लिए ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों ने जब सर्वे करवाया तो पता लगा कि जिस जमीन पर उनका हक है वहां पर खेती होने के साथ निर्माण तक कर लिए गए हैं। इस कारण सब स्टेशन निर्माण के साथ नेटवर्क को मजबूत करने में दिक्कत आ रही है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि एक निर्माण पर अदालत में मामला चला था और उच्चतम न्यायालय ने कंपनी के पक्ष में फैसला देकर अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटा।

जमीन पर अतिक्रमण के चलते नेटवर्क विस्तार करने में दिक्कत आ रही है। प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के लिए कई बार पत्राचार कर चुके हैं, लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हट सके हैं। इससे 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण कार्य भी शुरू नहीं हो पा रहा है।

बिना रेट की पर्ची पर वसूली, शिकायत पर पहुंची पुलिस

ग्वालियर. । व्यापार मेले में दोपहिया और चार पहिया वाहनों से पहुंच रहे सैलानी ठेकेदार की अवैध वसूली का शिकार हो रहे हैं। मेला प्राधिकरण ने दो पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए 20 रुपए का शुल्क निर्धारित किया है। लेकिन ठेकेदार के कर्मचारी बिना रेट की पर्ची से तीस रुपए वसूल रहे हैं। अवैध वसूली की शिकायत मेला प्रभारी एसडीओपी संतोष पटेल तक पहुंची तो उन्होंने पुलिसकर्मियों को पार्किंग स्थल पर भेजा। पुलिसकर्मियों ने ठेकेदार को समझाइश दी कि सैलानियों से अवैध वसूली करना बंद कर दो वरना कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर मेला प्राधिकरण ने ठेकेदार को नोटिस भेजकर तलब किया है।उल्लेखनीय है कि रविवार को मेले में उमड़ी भीड़ का फायदा उठाते हुए सैलानियों से जमकर वसूली की गई। वसूली का मामला मेला प्राधिकरण के साथ पुलिस तक पहुंचा। मेला प्रभारी एसडीओपी संतोष पटेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस कर्मियों को पार्किंग स्थल पर दबिश के लिए भेजा। पुलिसकर्मी पार्किंग स्थल पर पहुंचे तब तक अवैध वसूली के रसीद कट्टे गायब कर दिए गए। ऐसे में पुलिसकर्मियों ने ठेकेदार के कर्मचारियों को समझाइश दी कि अवैध वसूली करना बंद कर दो। एसडीओपी संतोष पटेल ने कहा कि अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मेला प्राधिकरण पर उठ रहे सवाल- वाहन पार्किंग पर सैलानियों से हो रही अवैध वसूली को लेकर मेला प्राधिकरण के जिम्मेदारों पर सवाल उठ रहे हैं। अवैध वसूली की शिकायत के बाद भी ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई नहीं होने के कारण प्राधिकरण के जिम्मेदार कटघरे में है। प्राधिकरण सचिव ठेकेदार को नोटिस देने के साथ कार्रवाई करने की बात तो करते हैं, लेकिन कार्रवाई अब तक नहीं हुई। पुलिस ने जरुर ठेकेदार के कर्मचारियों को अवैध वसूली के मामले में पकड़ा था।मेले की पार्किंग में अवैध वसूली की शिकायत मुझे मिली थी। तत्काल पुलिस बल को मौके पर भेजा। मौके पर मिले कर्मचारियों को समझाइश दी गई है।

संतोष पटेल, एसडीओपी व मेला प्रभारी

रात को फोन पर धमकाया, सुबह घर के बाहर चलाई गोलियां

ग्वालियर । माधौगंज इलाके में एक युवक को उसके परिचित ने पहले फोन पर धमकाया। रात को फोन पर जान से मारने की धमकी दी। सुबह वह अपने दोस्त के साथ युवक के घर पहुंच गया। युवक के घर के सामने खड़े होकर एक के बाद एक दो गोलियां चलाई। एक गोली युवक के पिता के कान के बगल से निकली। वह बाल-बाल बच गए। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित धमकाने की धाराओं में एफआइआर दर्ज कर ली गई है। आरोपित अभी पकड़ा नहीं जा सका है।माधौगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत हेम सिंह की परेड इलाके में रहने वाले रियाज खान के पास पिछले कुछ दिनों से हारुन कुरैशी के लगातार फोन आ रहे थे। हारुन कुरैशी ने रात 12.40 बजे रियाज के वाट्सअप मैसेंजर पर वाइस मैसेज भेजा। इसमें उसने कहा- उसके साथ अच्छा नहीं किया, फिर 20 मिनट बाद फोन किया। फोन कर धमकी दी कि वह उसके घर आ रहा है और उसे गोली मार देगा। रात को उसका मोबाइल बंद हो गया। सुबह करीब 11.49 बजे हारुन अपने एक साथी के साथ रियाज के घर पहुंच गया। यहां घर के सामने खड़े होकर उसने नीचे आने को कहा। फिर एक के बाद एक दो गोलियां चलाई। रियाज के पिता चुन्ना खान के कान के बगल से गोली निकल गई। गोली चलाने के बाद आरोपित भाग गए। सूचना मिलने पर माधौगंज थाने का पुलिस बल पहुंचा। फिर इस मामले में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई।

जिला अदालत की एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे क्षमता से अधिक लोन देकर गड़बड़ी के मामले में आरोपित दतिया विधायक राजेंद्र भारती के सीआरपीसी की धारा 311 के अंतर्गत लगाए आवेदन को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी तारीख पर मामले के आरोपित दतिया विधायक राजेंद्र भारती का पेश होना सुनिश्चित किया जाए।

एडिशनल एसपी पद से ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे आठ अधिकारी

भोपाल। राज्य पुलिस सेवा के 1998 बैच के लगभग आठ अधिकारी आइपीएस नहीं बन पाएंगे। वह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद से ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे। कारण, यह बैच 27 अधिकारियों का है। वर्ष 2025 में पांच, वर्ष 2026 में आठ अधिकारी ही आइपीएस संवर्ग में पदोन्नत हो पाएंगे।नियमानुसार पांच वर्ष की सेवा शेष होने पर ही पदोन्नति दी जाती हैं। ऐसे में सात या आठ अधिकारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो जाएंगे। पहली बार ऐसा होगा, जब लगभग 30 साल की सेवा के बाद भी राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आइपीएस बने बिना ही सेवानिवृत्त होंगे। अभी तक अधिकतम 25 वर्ष की सेवा के बाद पदोन्नति मिल चुकी है। 1997 बैच के अधिकारी इसी वर्ष पदोन्नत होने जा रहे हैं। इस बीच संवर्ग पुनरीक्षण होने पर पद बढ़ते हैं तो उसके अनुसार कुछ अधिकारियों को मौका मिल सकता है।

निगम परिषद में आज महापौर पेश करेंगी 2163 करोड़ का बजट

ग्वालियर। नगर निगम परिषद के बजट सम्मेलन का आयोजन आज दोपहर तीन बजे से जलविहार स्थित परिषद भवन में सभापति मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस सम्मेलन में महापौर डा. शोभा सिकरवार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए परिषद के सामने अपने कार्यकाल का दूसरा बजट प्रस्तुत करेंगी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 2163.95 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया गया है। गत वर्ष महापौर ने 2128.08 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया था। ऐसे में पिछली बार के मुकाबले बजट की राशि में 38 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। बजट में केंद्र व राज्य सरकार से मिलने वाली राशि को भी जोड़ा गया है, जिसमें अमृत योजना के फेज-2 में मिलने वाले 917 करोड़ रुपए की रकम भी शामिल है। इसके अलावा जनकार्य विभाग के लिए 495 करोड़ रुपए का प्रविधान किया गया है। परिषद में बजट प्रस्तुत होने के बाद सभापति द्वारा दावे-आपत्ति और संशोधन के लिए समय सीमा तय की जाएगी।

कर युवक को मारी गोली, ग्वालियर रेफर

विद्युत विभाग-शहर में पोल शिफ्टिंग, मेंटेनेंस व विभागीय कार्यों के लिए लगभग 40 करोड़ रुपए की राशि का प्रविधान बजट में किया गया है। हालांकि अभी स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव का जिम्मा स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के पास है।जनकार्य विभाग-शहर में डिपाजिट वर्क यानी नगर निगम के स्वयं के हिस्से के कार्य के लिए 200 करोड़ रुपए, जनप्रतिनिधियों की मौलिक निधि सहित स्मार्ट सिटी के 120 करोड़ रुपए सहित 495 करोड़ रुपए का प्रविधान है।सीवर सफाई-सीवर सफाई के लिए 75 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसमें 15 करोड़ रुपए की राशि से मेनहोल की सफाई के लिए नई मशीनों की खरीद का भी प्रस्ताव है।अमृत योजना प्रोजेक्ट फेज टू-917.93 करोड़ की राशि से अमृत फेज-1 में छूटे हुए हिस्सों में पानी की लाइनें डालने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के छह वार्डों में लाइनें बिछाने और चार नए ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाने की योजना है।कार्यशाला-28 नए वाहन खरीदने, वाहन किराए, मेंटेनेंस, मोबाइल टायलेट, जीपीएस सहित अन्य खर्चों के लिए 54 करोड़ रुपए का प्रविधान किया गया है। मौलिक निधि में भी इजाफे का प्रस्ताव- में 2.5 करोड़ और सभापति की निधि पांच करोड़ में भी 2.5 करोड़ बढ़ाकर 7.5 करोड़ करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा सभी 66 पार्षदों की निधि 65 लाख से बढ़ाकर 90-90 लाख करने के प्रस्ताव को फाइनल सहमति दी गई है। बीते वित्तीय वर्ष में मौलिक निधि के कार्यों के होने वाले शेष भुगतानों के लिए छह करोड़ की राशि आरक्षित की गई। इसके बाद संपत्तिकर राजस्व वसूली को भी लगभग 160 करोड़ की राशि के पार रख गया है। पहले यह बजट 2146 करोड़ का प्रस्तावित था, लेकिन 18 करोड़ मौलिक निधि बढ़ने के बाद कुल राशि 2163 करोड़ के पास होगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478